शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 12 | गुवाहाटी | गुरुवार, 8 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मौजूदा हालात में लक्ष्य पूरा करना बेहद चुनौतीपूर्ण पेज 2
मुख्यमंत्री ने वन सुरक्षा बलों को सौंपी रबर की नावें पेज 3
विनेश फौगाट मामले पर गरमाई हरियाणा की राजनीति, महावीर फौगाट से मिले भगवंत मान पेज 5
पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतकर स्वदेश लौटी मनु भाकर... पेज 7

ईसी ने असम और त्रिपुरा समेत नौ राज्यों में रास चुनाव की घोषणा की

अगरतला/गुवाहाटी। भारत के चुनाव आयोग ने बुधवार को आधिकारिक रूप से घोषणा की कि असम, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, तेलंगाना और ओडिशा की सीटों के साथ-साथ त्रिपुरा की एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए चुनाव 3 सितंबर को होंगे। मतदान सुबह 9 बजे शुरू होगा और शाम 4 बजे तक चलेगा, उसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना शुरू होगी। मतगणना समाप्त होने के तुरंत बाद परिणाम घोषित होने की उम्मीद है। -शेष पृष्ठ दो पर

बारिश : सीएम ने सभी से घर के अंदर रहने का किया आग्रह

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को शहर में भारी बारिश के एक और दौर के बाद सभी से घर के अंदर रहने का आग्रह किया। एक्स पर एक पोस्ट में, सीएम हिमंत ने कहा कि गुवाहाटी में भारी बारिश का एक और दौर चल रहा है। हम सभी से घर के अंदर रहने और जब तक बिल्कुल जरूरी न हो वाहनों का उपयोग करने से बचने का अनुरोध करते हैं। इसके अतिरिक्त, -शेष पृष्ठ दो पर

देरगांव पुलिस अकादमी में दीक्षांत समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री, कहा-

बांग्लादेश बन सकता है उग्रवादियों का केंद्र, पूर्वोत्तर राज्यों की बढ़ी चिंता

वर्ष 2041 तक राज्य में हिंदू हो जाएंगे अल्पसंख्यक तब यहां भी स्थिति ऐसी ही होगी

गोलाघाट (हि.स. /एजे)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यही हाल रहा तो वर्ष 2041 में असम में हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएंगे तब बांग्लादेश जैसी स्थिति यहां भी उत्पन्न हो जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा देरगांव स्थित लाचित बरफूकन पुलिस एकेडमी के दीक्षांत समारोह के बाद काजीरंगा में पांच सितारा होटल में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी की कृत्रिम बाढ़ समेत विभिन्न सवालों का बेबाकी से जवाब दिया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा लाचित बरफूकन पुलिस एकेडमी के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस समारोह में कड़े अभ्यास और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण के बाद असम वन संरक्षक बल के 940 नवनियुक्त जवानों ने भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ शर्मा के साथ वन मंत्री चंद्रमोहन पटवारी, पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह और असम सरकार के कई अधिकारियों के अलावा जवानों के परिजनों ने भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में कृषि मंत्री अतुल बोरा दीक्षांत समारोह में पहुंचे। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि वर्ष 2041 तक असम में हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएंगे तो बांग्लादेश जैसी स्थिति यहां भी उत्पन्न हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति ने पूर्वोत्तर राज्यों की चिंता बढ़ा दी है। बांग्लादेश अब फिर से उग्रवादियों का केंद्र बन सकता है और वे अवैध रूप से इन राज्यों में प्रवेश कर सकते हैं। मगर हमें उम्मीद है कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर राज्यों की चिंता को तवज्जो देगी। साथ ही बांग्लादेश की नई सरकार के साथ बातचीत करेगी। देरगांव में एक कार्यक्रम के दौरान असम के सीएम ने कहा कि बांग्लादेश के मौजूदा घटनाक्रम ने चिंता बढ़ा दी है। अगर समस्या जारी रही तो हमें डर है कि असम इससे प्रभावित होगा। भारत-बांग्लादेश सीमा -शेष पृष्ठ दो पर

पेरिस ओलंपिक

विनेश फोगाट अयोग्य घोषित नहीं खेल पाएंगी फाइनल

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट बड़ा झटका लगा है। वह पेरिस ओलंपिक 2024 में महिला कुश्ती के 50 किग्रा भार वर्ग स्पर्धा के फाइनल मुकाबले से पहले बाहर हो गई हैं। उन्हें अधिक वजन के कारण फाइनल मुकाबले से पहले अयोग्य घोषित कर दिया गया है। भारतीय पहलवान फोगाट ने मंगलवार को सेमीफाइनल में क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन लोपेज को 5-0 से हराया था। इससे वह ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं थीं। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि भारतीय दल को इस बात का दुख है कि महिला कुश्ती 50 किलोग्राम वर्ग से विनेश फोगट को अयोग्य घोषित कर दिया गया है। रात भर टीम द्वारा किए गए बेहतरीन प्रयासों के बावजूद, आज सुबह उनका वजन 50 किलोग्राम से कुछ ग्राम अधिक था। इस समय दल द्वारा कोई और टिप्पणी नहीं की जाएगी। भारतीय दल आपसे विनेश की निजता का सम्मान करने का अनुरोध करता है। वह आगे की प्रतियोगिताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहेगा। मालूम हो कि विनेश फोगाट का फाइनल मुकाबले में सामना अमेरिका की पहलवान सारा हिल्डब्रैंड से होना था। यह मुकाबला देर रात 12:30 बजे (आठ अगस्त) खेला जाएगा।

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

विद्या को चोर भी नहीं चुरा सकता।

- आचार्य चाणक्य

मुख्यमंत्री विश्व शर्मा ने राज्य में पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया पर प्रकाश डाला

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को दावा किया कि राज्य में लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं और भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। शर्मा ने देरगांव में असम वन सुरक्षा बल (एएफपीएफ) की पहली पासिंग आउट परेड में कहा कि राज्य में पूरी भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी, स्वच्छ और समावेशी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासन के दौरान असम की एक पूरी पीढ़ी सरकारी नौकरियों से वंचित रही। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को घोषणा की कि राज्य एक नई अधिवास नीति लागू करेगा, जिसके तहत सरकारी नौकरियों के लिए पात्रता केवल असम में जन्मे व्यक्तियों तक सीमित होगी। इस नीति का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के पदों के लिए राज्य के निवासियों को प्राथमिकता देना है और यह -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने बोकाखाट में 56 करोड़ रुपए के हथकरघा केंद्र की घोषणा की

बोकाखाट। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर बोकाखाट में अत्याधुनिक एकीकृत हथकरघा केंद्र की स्थापना की घोषणा की, जिसकी अनुमानित लागत 56 करोड़ रुपए है। इस केंद्र का उद्देश्य धागा निकालने से लेकर कपड़ों की बुनाई और रंगाई तक की पूरी हथकरघा प्रक्रिया का केंद्र बनना है, जो असम के पारंपरिक बुनकरों को अपने शिल्प को प्रदर्शित करने और बाजार में लाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। हथकरघा केंद्र में एक समर्पित विपणन परिसर भी शामिल होगा जिसे भारतीय और विदेशी पर्यटकों, विशेष रूप से काजीरंगा के नजदीक आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है। आगंतुकों को असम के पारंपरिक परिधानों के पीछे की जटिल बुनाई प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अनूठा अवसर मिलेगा, जैसे कि प्रतिष्ठित गामोछा, जिसने राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता प्राप्त की है, जिसे अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के युवा पहनते हैं। अपनी घोषणा में मुख्यमंत्री ने असम के हथकरघा के समृद्ध इतिहास पर प्रकाश डाला तथा महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव द्वारा निर्मित बृंदाबनी बस्त्र का संदर्भ दिया, जो 120 हाथ लंबा और 60 हाथ चौड़ा एक विशाल -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-बांग्लादेश के बीच व्यापार जल्द सामान्य होने की उम्मीद

कोलकाता (हि.स.)। बांग्लादेश में जारी राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद पश्चिम बंगाल के बंदरगाहों के माध्यम से भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार जल्द ही सामान्य होने की उम्मीद है। दोनों देशों के भूमि बंदरगाह अधिकारियों के बीच एक बैठक बुधवार को दक्षिण एशिया के सबसे बड़े भूमि बंदरगाह पेट्रापोल में हुई, जिसमें इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा हुई है। सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक भी मंगलवार को पेट्रापोल में थे, ताकि बांग्लादेश में संकट के -शेष पृष्ठ दो पर

बदले की आग से नहीं होगा बांग्लादेश का पुनर्निर्माण : खालिदा जिया

ढाका। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच पूर्व प्रधानमंत्री एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया को जेल से रिहा कर दिया गया। रिहा होने के एक दिन के बाद खालिदा ने नयापल्टन में बीएनपी की रैली को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश का पुनर्निर्माण *क्रोध* या *बदले* से नहीं, बल्कि *प्यार और शांति* से होगा। उन्होंने *असंभव को संभव बनाने के संघर्ष* के लिए बुधवार को देशवासियों को धन्यवाद दिया। नयापल्टन में बीएनपी की रैली में वीडियो लिंक के माध्यम से दिए गए अपने भाषण में 79 वर्षीय जिया ने शांति की अपील की। यह 2018 के बाद जिया का पहला सार्वजनिक भाषण है। डेली स्टार समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, जिया ने उन लोगों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनके लिए संघर्ष किया तथा कारावास से उनकी रिहाई के लिए प्रार्थना की। मुझे अब रिहा कर दिया गया है। मैं उन बहादुर लोगों को धन्यवाद देना चाहती हूं, जिन्होंने असंभव को संभव बनाने के लिए *करो या मरो* का संघर्ष किया। यह जीत हमें लूट, भ्रष्टाचार और कुशासन के मलबे से बाहर निकलने की नयी संभावना देती है। हमें इस देश को समृद्ध बनाने की जरूरत है।- खालिदा जिया, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री पूर्व प्रधानमंत्री ने युवाओं के हाथ मजबूत करने का सभी से आग्रह करते हुए कहा कि युवा हमारा भविष्य हैं। हमें उनके उस सपने को पूरा करने के लिए एक लोकतांत्रिक बांग्लादेश का निर्माण करने की आवश्यकता है, जिसके लिए उन्होंने अपना -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश के हिंदुओं को मिला इजरायल का साथ, भावुक हुआ भारत

नई दिल्ली। भारत के पक्के दोस्त इजरायल ने बांग्लादेश के कट्टर चरित्र को दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया है। बांग्लादेश में हिंदुओं को बुरी तरह मारा जा रहा है। हिंदू लड़कियों का रेप किया जा रहा है। लेकिन एक भी मुस्लिम देश के नेता ने इस पर बयान नहीं दिया है। एक छोटे से हिजाब के लिए भारत को धमकाने वाला मुस्लिम संगठन ओआईसी भी कुछ नहीं बोला। भारत की लिबरल जमात और चुनिंदा पत्रकार बोल रहे हैं कि बांग्लादेश के हिंदू हमारे नहीं है। वो तो बांग्लादेश -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक, हिमाचल, असम को मिली बाढ़ राहत की सबसे ज्यादा धनराशि : रास में केंद्र

नई दिल्ली। केरल के वायनाड में आए विनाशकारी भूस्खलन के बाद राहत-बचाव कार्य अभी भी जारी है। लेकिन इसे लेकर केंद्र सरकार ने दावा किया कि भूस्खलन को लेकर केरल सरकार को दी गई चेतावनी को नजरअंदाज किया गया था। जिसके बाद तमाम आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। इसी बीच राज्यसभा में केंद्र सरकार ने जानकारी दी कि पिछले दो वर्षों, 2022-2024 में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष के तहत कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और अमस को सबसे अधिक आवंटन दिया गया है। यह धनराशि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के राहत और पुनर्वास के लिए दी गई। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक लिखित जवाब में कहा कि केंद्र की उच्च स्तरीय समिति ने कर्नाटक के लिए 941 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश और असम के -शेष पृष्ठ दो पर

भारतीय शख्स ने प्राइवेट पार्ट में घुसा ली दो फुट की जिंदा मछली, अंदर से नींबू भी निकला

हनोई। वियतनाम की राजधानी हनोई में एक अजीब और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 31 वर्षीय भारतीय नागरिक को गंभीर पेट दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच के बाद डॉक्टरों ने पाया कि व्यक्ति के गुदा (प्राइवेट पार्ट) में एक 2 फुट की जीवित मछली मौजूद थी। इस मामले ने चिकित्सकों को भी हैरान कर दिया। घटना 27 जुलाई की बताई जा रही है। व्यक्ति भयंकर दर्द में था और तुरंत चिकित्सा सहायता के लिए अस्पताल पहुंचा। द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस व्यक्ति की जान जाने वाली थी, लेकिन हनोई के वियत डुक अस्पताल के डॉक्टरों ने उसकी जान बचा ली। प्रारंभिक जांच के बाद, डॉक्टरों ने बताया कि मरीज ने स्वयं मछली को गुदा में डाला था। यह अज्ञात है कि उसने यह कदम क्यों उठाया, लेकिन यह स्पष्ट हो गया कि मछली ने भागने की कोशिश की और इस प्रयास में व्यक्ति के मलाशय और बृहदांत्र को काटते हुए उसके उदर गुहा में प्रवेश कर गई। मछली को निकालने के लिए तुरंत सर्जरी की आवश्यकता पड़ी। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa cÆurga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आरएसएस प्रमुख भागवत ने स्वयंसेवकों को चेताया, कहा–

मौजूदा हालात में लक्ष्य पूरा करना बेहद चुनौतीपूर्ण

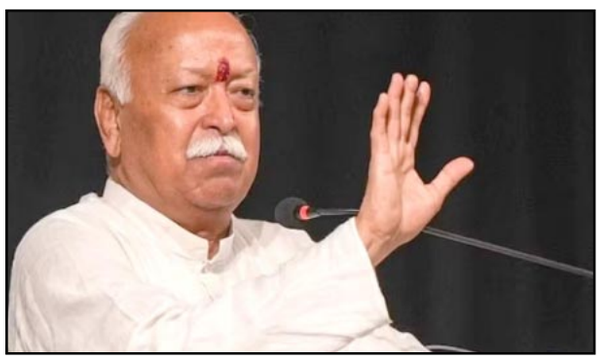

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि मौजूदा हालात में आरएसएस की विचारधारा के लिए लक्ष्य पूरा करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है। इस दौरान स्वयंसेवकों को अपने चरित्र और समर्पण को बनाए रखने के लिए सावधानी बरतनी होगी। नागपुर में दत्ताजी डिडोलकर जन्म शताब्दी समारोह कार्यक्रम के समापन समारोह में भागवत ने कहा कि अनुकूल परिस्थितियों के बदलने से कम अनुकूल परिस्थितियां पैदा होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि आरएसएस कार्यकर्ता लंबे समय तक सामाजिक विरोध होने के बाद भी समाज में डटे रहे। इससे हमारे लक्ष्य, चरित्र और प्रतिबद्धता को बढ़ावा मिला। इससे समाज में हम डटे रहे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में अनुकूल परिस्थितियों के साथ हमारे कार्यकर्ताओं का समर्पण अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। भागवत ने कहा कि पुराने समय में हमारे विचार और सोच का मजाक उड़ाया जाता था। हालात अच्छे नहीं थे। संसाधनों का अभाव था। मगर आज समाज हम पर भरोसा करता है और हमारा समर्थन करता है। इससे हमारा काम काफी कठिन हो गया है। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और स्वामी जीतेंद्रनाथ महाराज भी मौजूद रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अगले साल 100 वर्ष पूरे करने जा रहा है। इस मौके पर संघ की तरफ से बड़ा आयोजन या उत्सव नहीं मनाया जाएगा, बल्कि संघ को मजबूत करने के प्रयास किए जाएंगे। पिछले दिनों इंदौर में हुई संघ के संपर्क विभाग की बैठक में यह तय हुआ है कि संघ ज्यादा से ज्यादा सामाजिक, धार्मिक आयोजनों में सहभागिता बढ़ाए और समाज को जागरुक करने का काम करें। बैठक में यह भी कहा गया कि जो लोग संघ से ज्यादा वाकिफ नहीं है, लेकिन संघ के प्रति गलत धारणा रखते हैं। संघ कार्य और विचारधारा से अवगत कराकर उन लोगों की धारणा दूर कैसे की जा सकती है। इस पर ध्यान देने की जरुरत है। सरकार्यवाह दतात्रय होसबोले ने देश की सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक शक्तियों को मजबूत करने पर बल दिया। सोशल इंजीनियरिंग के जरिए समाज के हर तबके तक संघ की पैठ बनाने की बात भी कही गई।

बांग्लादेश के हिंदुओं की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी : सद्गुरु जग्गी वासुदेव

नई दिल्ली (हि.स.)। आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों से बेहद आहत हैं। उन्होंने कहा कि यह बांग्लादेश का आंतरिक मसला नहीं है। उन्होंने आगाह किया है कि इस अत्याचार के खिलाफ भारत को खड़ा होना होगा। सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने एक्स हैंडल पर देश और देशवासियों से विनम्रता पूर्वक आग्रह किया है कि अपने पड़ोस में अल्पसंख्यकों (हिंदुओं) की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई करनी होगी। अगर हम ऐसा नहीं करते हैं तो भारत को *महा-भारत* बनाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश हमारे राष्ट्र का हिस्सा था। वह दुर्भाग्य से पड़ोस बन गया। वहां रह रहे हिंदू अत्याचार सह रहे हैं। हमें समझना होगा कि वास्तव में वह इसी राष्ट्र के और भारतीय सभ्यता के हैं। उनकी रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है।

भारत में भी हो सकते हैं बांग्लादेश जैसे हिंसक प्रदर्शन : खुर्शीद

नई दिल्ली। बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर शुरू हुए विरोध प्रदर्शन ने उग्र रूप धारण कर लिया और स्थिति यह हो गई की प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा तो देना ही पड़ा साथ ही साथ उनको अपना देश तक छोड़ना पड़ गया। इसके परिणामस्वरूप, बांग्लादेश में हालात बेहद बिगड़ गए हैं। इस बीच, कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने बांग्लादेश में चल रहे हंगामे पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है, वही भारत में भी हो सकता है। उनके अनुसार, भले ही सतह पर हालात सामान्य लग रहे हों, लेकिन भारत में भी बांग्लादेश की तरह हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शन संभव हैं। एक किताब के विमोचन के अवसर पर, सलमान खुर्शीद ने कश्मीर और भारत के मौजूदा हालात पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि कश्मीर में सब कुछ सामान्य नजर आ सकता है, और यहां भी हालात सामान्य दिख सकते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि सतह के नीचे बहुत कुछ हो रहा है। खुर्शीद ने आगामी 2024 के चुनावों के संदर्भ में भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों का मानना है कि इस वर्ष की सफलता मामूली हो सकती है और बहुत कुछ करना बाकी है। इसके अलावा, उन्होंने शाहीन बाग में हुए सीएए-एनआरसी विरोध प्रदर्शन का उदाहरण देते हुए कहा कि यह आंदोलन लगभग 100 दिनों तक चला और पूरे देश में इसी तरह के आंदोलनों को प्रेरित किया।

हमारे देश को लेना चाहिए सबक : महबूबा

श्रीनगर। बांग्लादेश मुद्दे पर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ हुआ और हो रहा है, मुझे लगता है कि हमारे देश को उससे सबक लेना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जब आपके पास एक बड़ी युवा आबादी होती है और आप उन्हें नजरअंदाज करने की कोशिश करते हैं- जब उन पर महंगाई और बेरोजगारी की मार पड़ती है, तो इस तरह की स्थितियां पैदा होती हैं। उन्होंने कहा कि आरक्षण कमजोर वर्ग के लिए अच्छा है, लेकिन यह जनसंख्या के अनुपात में होना चाहिए। हमें यह सबक लेना चाहिए कि तानाशाही लंबे समय तक नहीं चलती। पूर्व सीएम ने कहा कि जब आप ऐसी नीतियां और कानून लाते हैं जो लोगों के खिलाफ हैं और धैर्य की सीमा टूट जाती है, तो आपको शेख हसीना की तरह बचना होगा। विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर के संबंध में, हमें बांग्लादेश से सबक लेना चाहिए - जहां युवाओं के पास बहुत सारे मुद्दे हैं, इसके अलावा युवा असहाय महसूस करते हैं जैसा कि बांग्लादेश में हुआ था। उन्होंने कहा कि दबाव, शोषण और यूएपीए, सभी इसमें योगदान करते हैं। मुझे लगता है कि इसे बदलने की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि बांग्लादेश की स्थिति यहां नहीं दोहराई जाएगी। इससे पहले कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा था कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वह देश में भी हो सकता है, हालांकि सतह पर सब कुछ सामान्य लग सकता है।

मन्दिर चोरी मामले में तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की पानबजार पुलिस ने मंदिर में चोरी मामले में शमिल तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि खेत्री इलाके में स्थित एक मंदिर की घंटी चोरी करने के आरोप में तीन चोरों को दो नम्बर रेल गेट से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तीनों चोरों के पास से मंदिर से चोरी की गई छह किलोग्राम की पीतल की घंटी को बरामद किया गया है। पानबजार पुलिस ने गिरफ्तार तीनों आरोपितों को खेत्री पुलिस को सौंप दिया। पुलिस पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार तीनों चोरों से सघन पुछताछ कर रहीं हैं।

गोरेश्वर के औबारी में शव बरामद

बाक्सा (हिंस)। गोरेश्वर के औबारी में आज सुबह देउसुंगा नदी से एक शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान बंगालीपारा के तेज बहादुर दोरजी (80) के रूप में हुई है। मृतक मंगलवार से ही लापता था। पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मौत के कारणों की जांच कर रही है।

पूर्व मंत्री याकूब के बेटे का पासपोर्ट होगा निरस्त, फाइल तैयार

मेरठ (हिंस)। जमानत की शर्तों का उल्लंघन करके विदेश भागने की कोशिश करने वाले पूर्व मंत्री याकूब के बेटे फिरोज का पासपोर्ट निरस्त होगा। इसके साथ ही पूर्व मंत्री और उनके अन्य परिजनों के पासपोर्ट की भी जांच की जा रही है। फिरोज के पासपोर्ट निरस्तीकरण की फाइल पुलिस ने तैयार कर ली है। अल फहीम मीटैक्स मीट प्रकरण में कोर्ट से पूर्व मंत्री याकूब और उसके परिजनों को जमानत मिली है। पूर्व मंत्री के बेटे फिरोज उर्फ भूरा को जमानत देते हुए कोर्ट ने बिना अनुमति देश से बाहर जाने से मना किया था। इसके बाद भी दिल्ली एयरपोर्ट से देश से दुबई भागने की कोशिश करते फिरोज को इमिग्रेशन अधिकारियों ने रोक लिया और मेरठ पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने उसे पूछताछ के बाद फिर से जमानत की शर्तों का उल्लंघन नहीं करने का लिखित आश्वासन देने के बाद छोड़ दिया। पुलिस ने फिरोज का रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया था। इसी कारण उसे दिल्ली एयरपोर्ट पर रोका गया था। पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी के छोटे बेटे फिरोज उर्फ भूरा ने एक दरोगा से सेटिंग कर पासपोर्ट बनवा लिया और अब दुबई जाने की तैयारी कर रहा था। प्रशासन ने पासपोर्ट को निरस्त कराने की तैयारी कर ली है। फिरोज ने मेडिकल थाने में तैनात एक दरोगा से रिपोर्ट लगवाकर पासपोर्ट जारी करा लिया था, जबकि उसका वास्तविक पता सराय बहलीम थाना कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आता है। एसएसपी ने इस पूरे प्रकरण पर जांच बैठा दी है। पासपोर्ट निरस्तीकरण के लिए भी कोतवाली पुलिस ने अदालत में अर्जी लगा दी है। साथ ही पासपोर्ट कार्यालय को भी एक रिपोर्ट भेजी जा रही है। पूर्व मंत्री याकूब और अन्य परिजनों के पासपोर्ट की भी जांच कराई जा रही है। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा के अनुसार, फिरोज उर्फ भूरा के खिलाफ दर्ज मुकदमों और पासपोर्ट की जांच के निर्देश दिए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान में सड़क हादसा, दंपति और दो बच्चों सहित पांच की मौत

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में निंबाहेड़ा फोरलेन पर मंगलवार रात एक अज्ञात भारी वाहन ने बाइक सवार छह लोगों को रौंद दिया। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हताहत लोग शंभूपुरा थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। एक शख्स की शिनाख्त हुई है। यह लोग बाइक से निंबाहेड़ा की ओर जा रहे थे। हादसे में एक मासूम बाइक से उछल कर दूर जा गिरी, जिससे उसकी जान बच गई। सूचना पर निंबाहेड़ा पुलिस पहुंची और घटना की जानकारी ली। अज्ञात भारी वाहन की तलाश की जा रही है। जिला कलेक्टर व अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार चित्तौड़गढ़-निंबाहेड़ा फोरलेन पर रात करीब 10 से 11 बजे के बीच निंबाहेड़ा सदर थाना क्षेत्र के भावलिया गांव की पुलिया के पास अज्ञात भारी वाहन ने एक बाइक को रौंद दिया। बाइक पर तीन पुरुष, एक महिला और दो बच्चे सवार थे। करीब दो साल की मासूम उछल कर दूर जा गिरी, जिसकी जान बच गई। बाइक सवार एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं। हादसे की जानकारी मिलने के बाद निंबाहेड़ा सदर थानाधिकारी संजय शर्मा मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर मौजूद आसपास के लोगों से इस हादसे के बारे में जानकारी ली। ट्रेलर या कंटेनर जैसे किसी भारी वाहन के इस बाइक सवार परिवार को रौंदने की बात सामने आई है। इसके बाद प्रमुख मार्गों पर नाकाबंदी करवाई गई है। मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। इनमें से एक की शिनाख्त पिपलवास पुलिस थाना भदेसर निवासी जीवन पुत्र मन्नालाल के रूप में हुई है।

बिहार के बाद कर्नाटक में गिर गया पुल, यातायात प्रभावित

पणजी/कारवार। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में काली नदी पर स्थित एक पुराना पुल मंगलवार देर रात ढह गया, जिसके परिणामस्वरूप गोवा को इस पड़ोसी राज्य से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर यातायात अवरूद्ध हो गया। कारवार पुलिस ने बताया कि पुराने पुल का एक बड़ा हिस्सा रात करीब डेढ़ बजे उस समय ढह गया, जब एक ट्रक वहां से गुजर रहा था। पुल ढहने से वाहन नदी में गिर गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में वाहन चालक घायल हो गया और उसकी पहचान तमिलनाडु निवासी बाला मुरुगन के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, लगभग एक दशक पहले एक नये पुल के निर्माण के बाद इस पुल का इस्तेमाल गोवा आने-जाने वाले वाहनों के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि ट्रक कारवार की ओर जा रहा था, लेकिन पुल ढहने से वह नदी में गिर गया।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI

Apollo HOSPITALS

ENT SPECIALIST

DR.NITHYA NARAYANAN, MBBS, DLO, DNB(ENT)

Will be available only for consultation at **Guwahati**

ON 18th August'2024

Patients suffering from hearing problem, patch in oral cavity, non healing oral ulcer, difficulty in swallowing, hoarseness of voice/change of voice, swelling on the neck, nasal bleeding, thyroid problems, persistant throat pain or related problems etc can register their names:

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane-10
Ph: 8404037649, 03613102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

ईसी ने असम और...

चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों को 21 अगस्त तक अपना नामांकन दाखिल करना होगा, जिसके बाद 22 अगस्त को जांच होगी। पूरी चुनाव प्रक्रिया 6 सितंबर तक समाप्त हो जाएगी, ताकि सभी प्रक्रियाएं समय पर पूरी हो सकें। असम में केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और कामाख्या प्रसाद तासा की राज्यसभा सीटें रिक्त हो गईं, क्योंकि वहां के मौजूदा सदस्य लोकसभा के लिए निर्वाचित हो गए। त्रिपुरा में राजनीतिक माहौल गर्म हो रहा है क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष दोनों ही एक राज्यसभा सीट के लिए कड़ी टक्कर देने के लिए कमर कस रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से यह सीट बिप्लब कुमार देब के पास थी। यह उत्सुकता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि पार्टियों ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, जबकि सत्तारूढ़ पार्टी को काफी बढ़त मिलती दिख रही है। आगामी चुनाव न केवल असम और त्रिपुरा के लिए बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे भविष्य के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देंगे।

बारिश : सीएम ने ...

कृपया जीएस रोड पर शहर के अस्पताल क्षेत्रों की ओर वाहनों की आवाजाही से बचें। गृह मंत्रालय ने कहा है कि 2019 से इस साल 25 जुलाई तक असम में विनाशकारी बाढ़ के परिणामस्वरूप कुल 880 लोग हताहत हुए हैं। सांसद सुष्मिता देव द्वारा राज्यसभा में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि असम राज्य सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 2019 से इस साल 25 जुलाई तक असम में बाढ़ के कारण 880 लोग हताहत हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 1998-2023 के उपग्रह डेटा का उपयोग करके असम के लिए राज्य स्तरीय बाढ़ खतरा जोनिंग एटलस तैयार किया है। यह विकासात्मक योजना के लिए बाढ़ खतरा प्रबंधन के लिए गैर-संरचनात्मक संसाधनों के रूप में कार्य करता है। राय ने आगे कहा कि असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) को 24 से 36 घंटे के लीड टाइम के साथ अलर्ट प्रदान किए जाते हैं। अधिकारियों ने कहा कि असम में बाढ़ ने इस साल अब तक काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 13 एक सींग वाले गैंडों सहित 215 जानवरों की जान ले ली है। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की फील्ड निदेशक सोनाली घोष ने कहा कि राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ के पानी में डूबने से 13 एक सींग वाले गैंडों की मौत हो गई। सोनाली घोष ने कहा कि बाढ़ के समय 168 हॉग डियर, 2 स्वैम्प डियर, 5 जंगली सुअर, 8 साही प्रजाति, एक-एक जंगली भैंसा और सांभर की डूबने से मौत हो गई, 2 हॉग डियर की मौत वाहन की टक्कर से हुई, 18 अन्य पशुओं की देखभाल के दौरान मौत हो गई और एक ऊदबिलाव (शिशु) की मौत अन्य कारणों से हुई।

बांग्लादेश बन सकता...

की रक्षा की जानी चाहिए, क्योंकि वहां के लोग सीमा के जरिये अवैध रूप असम में घुसने की कोशिश कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि शेख हसीना के शासन के दौरान उग्रवादियों को बांग्लादेश छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। मुझे भरोसा है कि बांग्लादेश की नई सरकार भी भारत के साथ अपने सहयोग को जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर राज्यों की चिंता को दूर किया जाएगा और बांग्लादेश को उग्रवादियों को सुरक्षित ठिकाना नहीं बनने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पहले एक्स पर पोस्ट किया था कि इन मौजूदा स्थिति में बांग्लादेश सीमा सुरक्षा को लेकर मैं असम के भविष्य 2041 के बारे में सोचता हूं। उन्होंने कहा कि मैं वर्तमान में आगे बढ़ने के लिए शक्ति और धैर्य की प्रार्थना करता हूं। हम उज्ज्वल कल की नींव रखेंगे और अपनी संस्कृति और धर्म की रक्षा करेंगे। बता दें कि बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन में मरने वालों की संख्या 400 के पार हो गई है। सेना की ओर से स्थिति को काबू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने के बाद राष्ट्रपति मोहम्मद शाहबुद्दीन ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का कार्यवाहक बनाया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य में लाखों युवाओं को सरकारी नौकरी मिली और भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा। देरगांव में असम वन रक्षक बल की पासिंग आउट परेड में मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी रही। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार में बड़ी शैक्षिक और गुणात्मक पीढ़ी सरकारी नौकरी से वंचित थी। मैंने 2001-2004 तक विश्लेषण के बाद पाया कि असम पुलिस में 30-35 फीसदी भर्तियां समुदाय विशेष से की जाती हैं। इसके बाद असम सरकार पुलिस और वन रक्षक बलों में भर्ती में हर समुदाय, धर्म और जाति के लोगों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने नव नियुक्त 940 रंगरूटों से अपनी जिम्मेदारी को निष्ठा से निभाने के लिए कहा और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि असम में वन क्षेत्र 26800 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है। हमें जंगलों और विविध वन्यजीवों को बचाना है। साथ ही अवैध गतिविधियों को रोकना है। 940 नए कांस्टेबल मिलने से असम वन रक्षक बल की ताकत दोगुनी हो गई है। खास बात यह है कि इसमें 10 फीसदी महिलाएं हैं। अब वनरक्षक बल में 784 से बढ़कर 1724 जवान हो गए हैं। जल्द ही नए रंगरूटों की तीसरी बटालियन तैयार करेंगे।

सीएम ने बोकाखाट ...

वस्त्र शिल्प है, जिसे सदियों पहले बरपेटा के तातीकुची में बुना गया था। शर्मा ने स्थानीय बुनकरों की सुरक्षा और संवर्धन के लिए सरकार के हालिया प्रयासों पर भी बात की। उन्होंने असम के बाहर से गामोछा आयात करने पर पिछले साल लगाए गए प्रतिबंध पर जोर दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि राज्य में बिकने वाले सभी गामोछा स्थानीय कारीगरों द्वारा बुने गए हों। इस साल, सरकार ने इस नीति का विस्तार करते हुए मेखला सदोर, अरोनई, आओसाई, पोहू और मुक्सा जैसे अन्य पारंपरिक वस्त्रों को भी इसमें शामिल कर लिया। असम सरकार ने धान की खरीद प्रक्रिया के समान ही 100 करोड़ रुपए मूल्य के बिना बिके गामोछा और अन्य हथकरघा उत्पादों को खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। इस कदम का उद्देश्य राज्य के बुनकरों, खासकर गोलाघाट जैसे जिलों के बुनकरों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है, जहां 67,000 बुनकर हैं, जिन्हें इस पहल से लाभ मिलेगा। एकीकृत हथकरघा केंद्र से असम के हथकरघा उद्योग को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे पारंपरिक शिल्प कौशल को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।

मुख्यमंत्री विश्व शर्मा ...

स्थानीय रोजगार संबंधी चिंताओं को दूर करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब राज्य सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर उन लोगों को मिलें जिनका असम से गहरा संबंध है। इस नई नीति से राज्य भर में विभिन्न सरकारी पदों के लिए भर्ती प्रक्रियाओं पर असर पड़ने की उम्मीद है। उसी संबोधन में, शर्मा ने अंतर-धार्मिक भूमि हस्तांतरण के संबंध में एक महत्वपूर्ण नीति परिवर्तन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पहले, अंतर-धार्मिक भूमि हस्तांतरण स्वतंत्र रूप से होता था। हिंदू मुसलमानों से जमीन खरीदते थे, और मुसलमान हिंदुओं से जमीन खरीदते थे। हम जमीनों की खरीद या बिक्री को रोक नहीं सकते। हालांकि, असम सरकार ने अब फैसला किया है कि हिंदू की जमीन को मुस्लिम द्वारा खरीदे जाने के लिए, और इसके विपरीत, मुख्यमंत्री की मंजूरी की आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री की मंजूरी के बिना, हिंदुओं और मुसलमानों के बीच कोई भी जमीन की खरीद या बिक्री नहीं होगी।

भारत-बांग्लादेश के ...

मद्देनजर अंतर्राष्ट्रीय सीमा की स्थिति की समीक्षा की जा सके। कैरिंग एंड फॉरवर्डिंग एजेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी जॉयदेव सरकार ने कहा कि ट्रक तैयार हो रहे हैं और घोजाडांगा के माध्यम से कुछ कार्गो की आवाजाही शुरू हो गई है। एक अन्य व्यापारी ने बताया कि मालदा के महादीपुर में भी कार्गो निर्यात के लिए ट्रक तैयार हो रहे हैं। उत्तर 24 परगना जिले के भूमि बंदरगाह से मुख्य वस्तुएं जैसे काला पत्थर, मिर्च, हल्दी और गेहूं चोकर बांग्लादेश को निर्यात किया जाता है। बांग्लादेश के बेनापोल बंदरगाह पर एक सी एंड एफ एजेंट एसोसिएशन अधिकारी ने कहा कि व्यापार अभी तक फिर से शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि ट्रक तैयार हैं लेकिन भारतीय पक्ष बांग्लादेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पर कुछ चिंताएं दिखा रहा है।

बांग्लादेश के हिंदुओं ...

के हैं। लेकिन इजरायल ने इन सभी को जोरदार तमाचा मारा है। बांग्लादेश से आई हिंदुओं की तस्वीरों को देख यहूदियों का एक संगठन भड़क गया। इसके बाद भारत में इजरायल के राजदूत नायोर गिलोन बांग्लादेश के हिंदुओं की आवाज बन गए। सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया के एक बड़े यहूदियों के संगठन ने कहा कि यहूदी होने के नाते हम जानते हैं कि कट्टर इस्लामी ताकते कैसे उत्पीड़न करती हैं। हमने बांग्लादेश से आई तस्वीरें देखी है, जिसमें हिंदुओं के साथ हिंसा हो रही है। हमारी संवेदना उनके साथ है। बांग्लादेश में जो हो रहा है वो कई देशों में हो चुका है। यही कट्टर इस्लाम का चरित्र है। हम चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया की सरकार इस मुद्दे पर बयान दे। भारत में इजरायली राजदूत नाओर गिलोन ने देश में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों और अशांति के बीच बांग्लादेश में हिंदुओं और उनके मंदिरों सहित अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की खबरों पर चिंता जताई। गिलोन ने एक पोस्ट में कहा कि मैं बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों और उनके मंदिरों के खिलाफ अत्याचार की खबरों से परेशान हूं। बांग्लादेश को अस्थिर राजनीतिक स्थिति का सामना करना पड़ रहा है और शेख हसीना ने बढ़ते विरोध के मद्देनजर 5 अगस्त को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सरकारी नौकरियों के लिए कोटा प्रणाली को समाप्त करने की मांग करने वाले छात्रों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन ने सरकार विरोधी विरोध का रूप ले लिया।

कर्नाटक, हिमाचल, असम ...

लिए 2022-24 में बाढ़ और भूस्खलन के लिए 873 करोड़ रुपए और 594 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में तमिलनाडु को बाढ़ और चक्रवात के लिए 276 करोड़ रुपए, सिक्किम को बाढ़ और भूस्खलन के लिए 267 करोड़ रुपए और नगालैंड को 68 करोड़ रुपए दिए गए हैं। मंत्री ने कहा कि 2024-25 (31 जुलाई, 2024 तक) के दौरान, मिजोरम और मणिपुर में चक्रवाती तूफान रेमल, असम में बाढ़ और भूस्खलन और केरल में भूस्खलन के कारण हुए नुकसान का मौके पर आकलन करने के लिए अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (आईएमसीटी) गठित किए गए हैं। मिजोरम और मणिपुर ने एनडीआरएफ से क्रमश: 216.73 करोड़ और 711.43 करोड़ रुपए की अतिरिक्त वित्तीय सहायता के लिए ज्ञापन प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा, एनडीआरएफ से अतिरिक्त वित्तीय सहायता पर स्थापित प्रक्रिया के अनुसार विचार किया जाता है। इसके अलावा, राज्य एनडीआरएफ से अतिरिक्त वित्तीय सहायता की मांग करते हुए अपना ज्ञापन तैयार करते समय आम तौर पर अयोग्य मदों को शामिल करते हैं और निर्धारित मानदंडों से परे व्यय का आकलन करते हैं। नित्यानंद राय ने बताया कि एनडीआरएफ के तहत धनराशि तत्काल राहत के लिए प्रदान की जाती है, न कि दीर्घकालिक पुनर्वास और पुनर्वास कार्यों के लिए। यही कारण है कि राज्यों की तरफ से प्रस्तुत मांगों और केंद्र सरकार की तरफ से स्वीकृत राशि में भिन्नता है। उन्होंने कहा कि राज्यों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) का आवंटन संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत समय-समय पर गठित वित्त आयोगों की सिफारिशों पर आधारित है। इसके अलावा, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ से सहायता का वितरण दिशानिर्देशों और सहायता के मदों और मानदंडों की तरफ से नियंत्रित होता है, जो राज्यों समेत सभी हितधारकों के परामर्श से तैयार किए जाते हैं और ये गृह मंत्रालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार दिशानिर्देशों की शर्तों को पूरा करने के अधीन स्थापित प्रक्रिया के अनुसार दो बराबर किस्तों (1 जून और 2 दिसंबर) में राज्य सरकारों को एसडीआरएफ का अपना हिस्सा जारी करती है।

भारतीय शख्स ने ...

यह एक संवेदनशील और जटिल प्रक्रिया थी, क्योंकि मछली के काटने से आंतरिक अंगों में चोटें आई थीं। इस घटना ने चिकित्सा जगत को चौंका दिया और साथ ही साथ यह भी स्पष्ट किया कि ऐसी हरकतें कितनी खतरनाक हो सकती हैं। यह एक अत्यंत दुर्लभ और असामान्य मामला था, जिसमें व्यक्ति की जान भी जा सकती थी। डॉक्टरों ने एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड स्कैन जैसे परीक्षण किए और उसके मेडिकल इतिहास की जांच की, तो उन्होंने उसके पेट की गुहा में ईल मछली को देखा। परीक्षण किए जाने के बाद, एंडोस्कोपी टीम और एनेस्थेसियोलॉजिस्ट ने ईल को निकालने के लिए कोलोनोस्कोपी की। कोलोनोस्कोपी एक परीक्षण है जो बड़ी आंत और मलाशय में परिवर्तनों को देखने के लिए किया जाता है। डॉक्टर गुदा के माध्यम से ईल को निकालने में असमर्थ थे, जिसके कारण उन्हें आपातकालीन सर्जरी करनी पड़ी। डॉक्टरों को अंदर नींबू भी मिला, जिसे उन्होंने गुदा के माध्यम से निकाला गया। फिर उन्होंने कोलोस्टॉमी की, जो एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें बड़ी आंत या जिसे कोलन भी कहा जाता है, में एक छिद्र बनाया जाता है। यह पहला ऐसा मामला नहीं है, जहां लोगों ने अपने शरीर के अंदर अजीबोगरीब चीजें डाली हों। डॉक्टरों के हवाले से प्रकाशन ने कहा कि खास तौर पर युवा पुरुषों में इस तरह के कामों के जरिए यौन सुख पाने की प्रवृत्ति होती है। डॉक्टरों ने सर्जरी करके गुदा से *तेल की बोतलें, वयस्क खिलौने* जैसी चीजें निकाली हैं। डॉक्टर ने कहा कि ईल में ऐसी परिस्थितियों में जीवित रहने की क्षमता होती है, जहां ऑक्सीजन नहीं होती। उन्होंने कहा कि लोगों को अप्रत्याशित परिणामों के कारण यौन सुख की तलाश के लिए गुदा के माध्यम से कभी भी जीवित जानवरों को नहीं डालना चाहिए।

बदले की आग से ...

खून बहाया है... कोई विनाश नहीं, कोई गुस्सा नहीं और कोई बदला नहीं, हमें अपने देश के पुनर्निर्माण के लिए प्यार और शांति की आवश्यकता है। जिया को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में 2018 में भ्रष्टाचार के लिए 17 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। अपनी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच हसीना (76) ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और भारत चली गईं। जिया वर्तमान में विभिन्न बीमारियों का इलाज करा रही हैं। जिया को हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के अपदस्थ होने के बाद मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के कार्यकारी आदेश पर रिहा कर दिया गया। जिया दो साल से ज्यादा समय से जेल में बंद थीं। हसीना के नेतृत्व वाली सरकार ने 25 मार्च, 2020 को एक कार्यकारी आदेश के जरिए जिया की सजा को निलंबित कर दिया और उन्हें सशर्त रिहाई दी। इसके बाद, सरकार ने आवेदन पर हर छह महीने में उनकी सजा के निलंबन और रिहाई की अवधि को बढ़ाया। बांग्लादेश में दशकों से जिया और हसीना की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता रही है।

असम गण परिषद ने असम उपचुनाव और पंचायत चुनावों के लिए कई कार्यक्रमों की तैयारी शुरू

गुवाहाटी। असम में पांच विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव और पंचायत चुनावों से पहले, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) अब चुनावी मोड में है और उसने पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए कई कार्यक्रमों की घोषणा की है। एजीपी अध्यक्ष अतुल बोरा जो हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली असम सरकार में कृषि मंत्री भी हैं, ने एएनआई को बताया कि पार्टी ने 25 अगस्त से शुरू होने वाले राज्य भर में एक सप्ताह तक बूथ स्तर पर सम्मिलन आयोजित करने का निर्णय लिया है। अतुल बोरा ने कहा कि आज एजीपी के सहयोगी संगठनों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई और उन्हें कुछ निर्देश जारी किए गए। हमारी पार्टी के कार्यकर्ता आगामी उपचुनावों और पंचायत चुनावों के लिए काम कर रहे हैं। हमने कई कार्यक्रम तय किए हैं। 11 अगस्त से 13 अगस्त तक प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में हमारी पार्टी के सहयोगी संगठनों की बैठक होगी। हमने 25 अगस्त से एक सप्ताह तक बूथ संमिलन आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा 19 से 21 अगस्त तक गुवाहाटी में तीन दिवसीय पार्टी कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि जिन पांच विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होंगे, उनमें से भाजपा तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि एजीपी और एक अन्य सहयोगी पार्टी यूपीपीएल एक-एक सीट पर चुनाव लड़ेगी। एजीपी बोंगाईगांव विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी जहां एजीपी 1985 से लगातार जीत रही है। वहीं असम और मिजोरम के बीच सीमा वार्ता के बारे में बात करते हुए अतुल बोरा ने कहा कि, असम और मिजोरम के बीच सीमा वार्ता 9 अगस्त को होगी। अतुल बोरा ने कहा कि असम सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री जोरमथांगा के नेतृत्व वाली मिजोरम की पिछली सरकार के साथ कई दौर की बातचीत की और अब मिजोरम में नई सरकार बन गई है। असम-मिजोरम सीमा पर एक अप्रिय घटना हुई और घटना के बाद मैंने व्यक्तिगत रूप से मिजोरम का दौरा किया और राज्य के मुख्यमंत्री से मुलाकात की और मिजोरम के तत्कालीन गृह मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लंबी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने वन सुरक्षा बलों को सौंपी रबर की नावें

त्वरित मरम्मत किए गए हातिमुरा तटबंध पर किया संतोष व्यक्त

गुवाहाटी (हिंस)। वन सुरक्षा बल कर्मियों को सशक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के बागरी रेंज में आयोजित एक समारोह में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण को 20 हवा भरने योग्य रबर की नावें सौंपी। उल्लेखनीय है कि जून में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की सुरक्षा पर मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक के दौरान, वन सुरक्षा बल के कर्मियों ने अवैध शिकार और अतिक्रमण के किसी भी कथित प्रयास पर निगरानी रखने और खतरे को रोकने के लिए कदम उठाने के लिए नई गश्ती नौकाओं के लिए अनुरोध किया था। अनुरोध के मद्देनजर, 60 दिनों से भी कम समय में नावें वितरित की गई हैं। बाद में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कलियाबर में हातिमुरा तटबंध के टूटने वाले

स्थान का दौरा किया और मरम्मत और इसकी बहाली कार्य का जायजा लिया। उन्होंने दरार वाले स्थान पर मरम्मत कार्य की गति पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि हातिमुरा में तटबंध की दरार को 26 दिनों में बंद कर दिया गया है। मरम्मत कार्य में लगी टीम ने दिन-रात काम किया, ताकि तेज पानी के बहाव से उत्पन्न परिचालन चुनौतियों और जटिलताओं को दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि आज असम में तटबंध की सभी दरारें बंद कर दी गई हैं।

हेरोइन समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के खानापाड़ा इलाके में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की टीम ने अभियान चलाकर भारी मात्रा में प्रतिबंधित हेरोइन समेत एक तस्कर गिरफ्तार किय किया है। एसटीएफ ने आज बताया कि वशिष्ठ थाना क्षेत्र इलाके के खानापाड़ा में स्थित न्यू आईएसबीटी के पास चलाया गए अभियान के दौरान 22 प्लास्टिक की छोटी-छोटी सीसी में भरकर रख गए 28.5 ग्राम हेरोइन समेत एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान बिजय विश्वकर्मा (21, खानापाड़ा, मेघालय) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी के पास से एसटीएफ ने ड्रग्स के अलावा एक गैस लाइटर बरामद किया है।

चोरी की गई बाइक को रंगिया पुलिस ने 24 घंटे में किया बरामद

रंगिया (निसं)। रंगिया से चोरी की गई बाइक को रंगिया पुलिस ने 24 घंटे के भीतर बरामद कर लिया। बाइक चोरी में शामिल युवक मेला को रंगिया पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार को रंगिया के वार्ड नंबर 3 निवासी अतिकुर रहमान और रबीना बेगम के घर से पल्सर 150 बाइक चोरी हो गई। रबीना बेगम ने अपने भाई रफीकुल अली के लिए यह बाइक खरीदी थी। घटना के विवरण के अनुसार, मंगलवार रात 11.30 बजे रबीना बेगम ने पाया कि बाइक कमरे में नहीं थी। चोर ताला तोड़कर कमरे में घुसकर बाइक ले गए। रंगिया पुलिस को तब घटना के बारे में सूचित किया गया। पुलिस ने तत्परता से अभियान चलाकर 24 घंटे के भीतर वाहन बरामद किया और चोर को पकड़ने में कामयाब रही। बाइक को नगांव के बागड़ी से बरामद किया गया है। (नि सं)

बीएसएफ ने किया बांग्लादेश सीमा पर हाई अलर्ट जारी

गुवाहाटी (हिंस)। पड़ोसी देश बांग्लादेश में अशांति के मद्देनजर गुवाहाटी में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के मुख्यालय की ओर से भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर हाई अलर्ट जारी किया है। स्थिति पर नजर बनाए रखने के लिए सीमावर्ती इलाकों में चौकसी बढ़ा दी गई है। गुवाहाटी बीएसएफ के पीआरओ ने एक बयान जारी कर कहा कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए किसी भी सुरक्षा खतरे को रोकने के लिए सीमा क्षेत्रों में हाई अलर्ट की घोषणा की गई है। सभी स्तरों पर कमांडरों को सतर्क रहने और उत्पन्न होने वाली किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए तत्पर रहने का निर्देश दिया गया है। कई इलाकों में बलों की भारी तैनाती की गई है और त्वरित प्रतिक्रिया टीमें (क्यूआरटी) गठित कर सीमा पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। पीआरओ ने बताया कि सीमा पर एक जल दस्ते का विंग और 11 बीएसएफ बटालियन तैनात किए गए हैं। ये सभी भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों (एलसीएस) पर निगरानी कर रहे हैं। पीआरओ ने कहा कि सीमा चौकियों (बीओपी) पर तैनाती बढ़ा दी गई है। उपकरणों का उपयोग करके निगरानी किया जा रहा है। वास्तविक स्थिति की जानकारी के लिए खुफिया टीमों को भी लगाया गया है।

पूसीरे के महाप्रबंधक ने किया न्यू बंगाईगांव रेल कारखाना का निरीक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने बुधवार को न्यू बंगाईगांव स्थित रेल कारखाना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न्यू बंगाईगांव क्षेत्र में विकास कार्यों और रेल सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक के साथ रंगिया के मंडल रेल प्रबंधक नीरज गुप्ता और मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने बताया कि न्यू बंगाईगांव कारखाना में उन्होंने कैरेज रिपेयर शॉप, वैगन रिपेयर शॉप, एलएचबी कंपोनेंट रिपेयर शॉप, एलएचबी बोगी शॉप, बेयरिंग शॉप, ट्रेन लाइटिंग और एयर कंडीशनिंग शॉप आदि का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रोलिंग स्टॉक के बेहतर अनुरक्षण के लिए कारखाना में चल

रहे बुनियादी अवसंरचना के आधुनिकीकरण की भी समीक्षा की और रोलिंग स्टॉक के बेहतर मार्शलिंग के लिए यार्ड रिमॉडलिंग पर अधिकारियों संग विचार-विमर्श किया। बाद में, महाप्रबंधक ने कारखाना से सटे पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केंद्र का भी निरीक्षण किया। वहां उन्होंने प्रशिक्षुओं को दिए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण मॉड्यूल को भी परखा, जो सुरक्षित ट्रेन परिसंचालन में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महाप्रबंधक ने न्यू बंगाईगांव स्टेशन पर लोको पायलटों और सहायक लोको पायलटों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जांच के लिए क्रू लॉबी का भी निरीक्षण किया। बाद में महाप्रबंधक ने भारतीय रेल के तेजी से हो रहे आधुनिकीकरण के अनुरूप कारखाना को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए विभिन्न अन्य विकासात्मक पहलुओं पर कारखाना के अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की। महाप्रबंधक के दौरे का उद्देश्य विभिन्न विकासात्मक कार्यों की प्रगति की समीक्षा, विभिन्न स्थानों पर सुविधाओं का आकलन, अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श और बुनियादी अवसंरचना के विकास की योजनाओं पर चर्चा करना था। चल रहे कार्यों के बारे में उनका सकारात्मक मूल्यांकन यात्रियों को सुरक्षित, कुशल और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे की प्रतिबद्धता और प्रयासों को दर्शाता है।

श्री श्याम सत्संग मंडल की सभा आयोजित

दो दिवसीय 56वां श्री श्याम झूलनोत्सव 16 से

गुवाहाटी। श्री श्याम सत्संग मंडल गुवाहाटी की एक विशेष सभा आयोजित की गई, जिसमें आगामी 56वें श्री श्याम झूलनोत्सव के आयोजन पर विचार-विमर्श किया गया। आयोजकों ने बताया कि फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित साधना मंदिर प्रांगण में आगामी 16 अगस्त को श्री श्याम झूलनोत्सव का विराट आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर बाबा का भव्य दरबार बैठाया जाएगा, जिसमें शीश के दानी खाटु नरेश श्री श्याम प्रभु का अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 4 बजे बाजार की पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्ज्वलित कर की जाएगी। सायं 5 बजे महाआरती के पश्चात 6 बजे से श्री श्याम सत्संग मंडल के कलाकारों द्वारा भजन कीर्तन के साथ कार्यक्रम का श्रीगणेश किया जाएगा। वहीं सायं 7 बजे जानेमाने भजन सम्राट श्रीश्री सागर व्यास, 9 बजे से प्रमोद त्रिपाठी अपने-अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे। दो दिवसीय झूलनोत्सव के दूसरे दिन 17 अगस्त को बाबा की महाआरती के पश्चात प्रसाद चढ़ाया जाएगा। इस विराट आयोजन को सफल बनाने में संस्था के सभी सदस्य जुटे हुए हैं।

तेरापंथ महिला समाज की बहनों ने सावन के सिंजारे कार्यक्रम का किया आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। तेरापंथ महिला समाज की बहनों द्वारा तेरापंथ धर्म स्थल में सावन के सिंजारे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रीमती अमराव बोथरा तथा श्रीमती ममता दुग्गड़ ने सभी बहनों का इस रंगारंग कार्यक्रम में स्वागत अभिनंदन किया। समाज की बहनों व कन्याओं द्वारा नृत्य, सडन क्वेश्चन, नाटक इत्यादि कई मनोरंजक कार्यक्रम किए गए। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था देरनी जेठानी स्पेशल जोड़ी कंपटीशन इसमें तीन राउंड रखे गए। लगभग 14 जोड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें प्रथम स्थान पर कोमिला सिंघि ईशा सिंघि द्वितीय स्थान पर रेनू मालू पूजा मालू रही। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इसकी निर्णायक सुश्री मेघा कुंडलिया थी। कार्यक्रम का कुशल संयोजन श्रीमती सुनीता गुजरानी व श्रीमती सीखा बोथरा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका मीनू दूधोड़िया अमिता भंसाली संगीता बोथरा संध्या कोठारी राज सुराना व सभी बहनों के पूर्ण सहयोग से यह कार्यक्रम सफल रहा। व कार्यक्रम में सराहनीय उपस्थिति रही। इस आशय की जानकारी श्रीमती विनीता सुराणा ने दी।

तीन मंजिली इमारत से गिरकर युवक की मौत

दरंग (हिंस)। मंगलदै के मिलनपुर में तीन मंजिली इमारत से गिरने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान निकुंज डेका के रूप में हुई है। इमारत के मालिक लक्ष्मण नाथ ने संदेह जताया है कि बंदर का पीछा करते समय युवक फिसल गया होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी संदेह जताया कि पारिवारिक विवाद के कारण युवक ने आत्महत्या की होगी। मृतक निकुंज डेका, मंगलदै लोक निर्माण विभाग में चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी था। यह दुखद घटना आज सुबह लगभग 8.30 बजे हुई। मंगलदै पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया और घटना की जांच शुरू कर दी है।

राज्यपाल आचार्य ने की राजभवन के अधिकारियों के साथ बैठक

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कॉन्फ्रेंस हॉल में एक संवादात्मक बैठक की। बैठक में उन्होंने राजभवन के अधिकारियों से राज्य के समग्र विकास के सूत्रधार के रूप में राजभवन को मजबूत करने के लिए एक टीम के रूप में काम करने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए आचार्य ने कहा कि चूंकि राज्यपाल राज्य के संवैधानिक प्रमुख हैं, इसलिए राज्य भर के सभी वर्ग के लोग उनसे कुछ प्रभावशाली और सकारात्मक सेवाओं की अपेक्षा करते हैं। इसलिए उन्होंने राजभवन के अधिकारियों से राजभवन को परिवर्तन और विकास के उत्प्रेरक के रूप में बढ़ावा देने के लिए अपने सामूहिक और समर्पित प्रयास करने के लिए कहा। राज्यपाल ने कहा कि *सहयोग और समर्पण* असम को सभी सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक संकेतकों में ऊपर उठाने की कुंजी है, जो उनके अनुसार देश

की प्रगति में भी योगदान दे सकता है। राज्यपाल ने कहा कि चूंकि केंद्र और राज्य सरकारों की कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन राज्य के सभी भागों के विकास के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए उन्होंने योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की दिशा में किसी भी मुद्दे को संबोधित करने के लिए राजभवन की सेवा का विस्तार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं को सफल और तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए जनता के बीच व्यापक जागरूकता भी महत्वपूर्ण है, जिससे उनका मानना है कि असम विकास के मामले में सबसे आगे रह सकता है। बैठक में असम की प्रथम महिला कुमुद देवी, राज्यपाल के आयुक्त और सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम, कुलाधिपति सचिवालय की सचिव कबिता डेका और अन्य सभी अधिकारी मौजूद रहे।

पति पर लगा पत्नी को प्रताड़ना करने का आरोप

रंगिया (निसं)। रंगिया में पति के खिलाफ प्रताड़ना का मामला दर्ज कराने के बाद एक महिला का जीवन दर्दनाक बन गया। पति और उसके परिवार ने एक बहू को दी तालिबानी सजा। पीड़िता को घर के आंगन में बांध कर प्रताड़ित किया गया। रंगिया के मरानजाना की बेटी पर नोकुछी गांव के पति ने शारीरिक-मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। पति के परिवार ने दहेज की मांग पर पत्नी पर अत्याचार किया है। मालुम हो कि विगत छह वर्षों के शादीशुदा समय मे रंगिया के नोकुची गांव के निवासी पति रिजुल अली छोटी-छोटी बात पर पत्नी के साथ मारपिट करता था। अंततः दुखी होकर रिजुल अली की पत्नी ने सोमवार को रंगिया पुलिस स्टेशन में अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पत्नी द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद पति और उसके परिवार के सदस्य नाराज हो गए और गुस्सा होकर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से बुरी तरह प्रताड़ित किया। उस अभागी बहू को तालीबानी की तरह सजा और यातनाएं दी गई।

सीमांत मुख्यालय एसएसबी, गुवाहाटी के महानिदेक ने छठी वाहिनी एसएसबी हेडक्वाटर का किया निरीक्षण

कोकराझाड़ (विभास)। सीमांत मुख्यालय एसएसबी, गुवाहाटी के महानिरीक्षक सुधीर वर्मा ने सशस्त्र सीमा बल की छठी वाहिनी का भ्रमण किया गया। वाहिनी मुख्यालय में आईजी का स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर द्वारा किया गया। महानिरीक्षक ने वाहिनी के अधिकारियों के साथ बैठक की और सैनिक सम्मलेन के द्वारा बल कार्मिकों को संबोधित किया गया। उन्होंने सीमा सुरक्षा को इमानदारी के साथ पूर्ण करने हेतु बताया और बल सदस्यों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। तत्पश्चात वाहिनी में स्थित पारिवारिक आवास, वाहिनी हॉस्पिटल का भ्रमण किया। उसके उपरांत कोकराझाड़ सिटी में एसएसबी के आदाबारी कैंपस एरिया का भ्रमण किया और आदाबारी में बल के कार्मिकों से बातचीत की। इस भ्रमण कार्यक्रम के दौरान श्री अमित कुमार ठाकुर, उप-महानिरीक्षक क्षेत्रीय मुख्यालय, एसएसबी बंगाईगांव, छठी वाहिनी

एसएसबी के अधिकारी रविन्द्र कुमार कमांडेंट, संजीव कुमार उप कमांडेंट, सनिहे सलेव उप कमांडेंट, नरेंद्र सोपान कुटे उप कमांडेंट उपस्थित रहे।

No.: JDB/15th-FC/Pt-II/4/2023-24/7901 *Date- 06/08/2024*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tenders are invited in plain papers affixing postage stamp amounting Rs. 8.25(Rupees eight & twenty five paisa) only from reputed firm/ contractor with experience for the following works under 15th-FC (UnTied Grant) fund for the year 2023-24 under Jalah Dev. Block of BTC area.

Sl. No.	Name of Scheme	Amount
1	Const. of Community Toilet at Simla Bazar (near Auto Stand)	Rs. 11,00,000.00
2	Const. of Community Toilet at Golagaon Block Medical	Rs. 11,00,000.00

Terms & Conditions:-

1. 1% for SC,ST & OBC, 2% for General of the Estimate Amount for the each scheme is to be deposited as earnest money by Bank Draft/FD in the name of B.D.O. Jalah Dev. Block along with tender which is refundable after completion of the work.
2. 0.03 % of Estimate Amount for the each scheme is to be deposited as Cost of Tender Paper by Demand Draft in the name of Principal Secretary, BTC, Kokrajhar along with tender which is non refundable after completion of the work.
3. The rate for the work should be as per the Plan & Estimate already specified in proposal.
4. The work should be completed within 3 (Three) Months from the date of the issue of the work order.
5. The quotations along with required documents should be submitted by the date **30/08/2024** Till 2.30 p.m. in the office of the undersigned.
6. The Tender will be opened after the closing time on the same date in presence of the bidder.
7. The lowest rate Tenderer will be eligible for selection for the work.
8. The tenderer will have submit up to date Contractor Registration Certificate (PWD), Labour Licence, GST Clearance Certificate, Pan Card, Aadhar Card, Caste Certificate, BOQ etc.
9. In case the office remains closed on tender issuing/receiving/opening date the same will be issued/received/opened on next working day.

Sd/- Block Development Officer
Jalah Development Block, Jalahghat

IPR(BTC)/C/2024-25/243

संपादकीय

कांग्रेस को राम नाम से चिढ़ क्यों?

किसी भी व्यक्ति के लिए यह समझना कठिन है कि कांग्रेस राम के नाम से चिढ़ती क्यों है? कभी राम के जन्म एवं अस्तित्व पर अदालत में हलफनामा देकर प्रश्न उठाया जाता है तो कभी राम मंदिर में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में सहभागी होने से इनकार कर दिया जाता है और अब तो कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ने राम के नाम पर बसे जिले का नाम ही बदल दिया है। कांग्रेस सरकार ने बीते शुक्रवार को रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलुरु साउथ करने का निर्णय लिया है। मोदी और योगी सरकार द्वारा स्थानों के नाम बदलने का विरोध करनेवाली कांग्रेस किस मुंह से रामनगर का नाम बदलने के अपने निर्णय का बचाव करेगी? अभी हाल ही में जब राष्ट्रपति भवन में 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर क्रमशः 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' किया गया, तो इसी कांग्रेस ने हाय-तौबा मचायी थी। याद रखें कि भाजपा सरकारों ने अब तक जितने भी नाम बदले हैं, उसके पीछे का उद्देश्य गुलामी के चिह्न हटाकर उन्हें मूल पहचान स्थापित करना है। भाजपा सरकारों ने अभी तक अंग्रेजों एवं इस्लामिक आक्रांताओं की गुलामी के चिह्न हटाए हैं, जिस पर सदैव कांग्रेस, कम्युनिस्ट और तथाकथित सेकुलर बिरादरी को कष्ट होता रहा है। वहीं, कांग्रेस ने जब नाम बदलने का काम किया तो उसने भारतीयता के प्राण 'राम' का नाम ही बदलने का निर्णय लिया है। इसे साफतौर पर राम और हिन्दू प्रतीक के विरोध के रूप में ही देखा जाएगा। कांग्रेस के इस निर्णय से भारत के संत समाज में भी नाराजगी है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा कि "योगी आदित्यनाथ राम की परंपरा, सनातन की परंपरा के अनुसार नाम बदलते हैं जबकि वे (कर्नाटक सरकार) अपने ढंग से नाम बदलते हैं...राम का नाम उन्हें अच्छा नहीं लगता। ऐसे लोग सनातन विरोधी हैं, मैं उनकी कड़ी निंदा करता हूं"। कांग्रेस को अवश्य ही यह विचार करना चाहिए कि इस प्रकार राम के नाम को मिटाकर क्या वास्तव में 'राम के अस्तित्व' को मिटाया जा सकता है? आर्थिक जगत के बड़े नामों को लाभ पहुँचाने के लिए रामसेतु को तोड़ने के प्रयासों में एक बार कांग्रेस राम के अस्तित्व को झुठलाने का अपराध कर चुकी है। लेकिन हुआ क्या? रामसेतु और राम का नाम यथावत है। अपितु कई बार कांग्रेस के नेता ही न्यायालय में दिए गए अपने ही हलफनामे को झुठलाने पर मजबूर हो जाते हैं। कांग्रेस के इस निर्णय के बाद से कर्नाटक में राजनीतिक वातावरण गर्म हो गया है। रामनगर जिले का नाम बदलने के कांग्रेस के निर्णय का भाजपा की ओर से तीव्र विरोध दर्ज कराया गया है। भाजपा को चाहिए कि वह इस मुद्दे को लेकर राज्य व्यापी ही नहीं अपितु देश व्यापी आंदोलन खड़ा करे और संपूर्ण देश को इस निर्णय के बारे में बताए। भाजपा की ओर से उचित ही कहा गया है कि उनकी सरकार आई तो वह निर्णय को पलटकर पुनः राम के नाम को स्थापित करेगी। यहाँ यह भी अंदेशा जताया जा रहा कि कांग्रेस ने नेताओं ने अपने रियल एस्टेट कारोबारी मित्रों को लाभ पहुँचाने के लिए भगवान राम के नाम पर बसे जिले का नाम बदलकर 'बेंगलुरु साउथ' किया है ताकि इस जिले को ब्रांड बेंगलुरु से जोड़कर यहाँ रियल एस्टेट के कारोबार को गति दी जा सके। यहाँ भी कांग्रेस का पाखंड दिखायी पड़ता है। एक ओर उनका शीर्ष नेतृत्व कारोबारियों को बुरा-भला बोलता रहता है वहीं दूसरी ओर उनकी सरकार अपने कारोबारी मित्रों को लाभ पहुँचाने के लिए राम का नाम मिटाने में भी नहीं हिचकती है।

कांग्रेस सरकार ने बीते शुक्रवार को रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलुरु साउथ करने का निर्णय लिया है। मोदी और योगी सरकार द्वारा स्थानों के नाम बदलने का विरोध करनेवाली कांग्रेस किस मुंह से रामनगर का नाम बदलने के अपने निर्णय का बचाव करेगी? अभी हाल ही में जब राष्ट्र पति भवन में 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर क्रमशः 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' किया गया, तो इसी कांग्रेस ने हाय-तौबा मचायी थी। याद रखें कि भाजपा सरकारों ने अब तक जितने भी नाम बदले हैं, उसके पीछे का उद्देश्य गुलामी के चिह्न हटाकर उन्हें मूल पहचान स्थापित करना है। भाजपा सरकारों ने अभी तक अंग्रेजों एवं इस्लामिक आक्रांताओं की गुलामी के चिह्न हटाए हैं, जिस पर सदैव कांग्रेस, कम्युनिस्ट और तथाकथित सेकुलर बिरादरी को कष्ट होता रहा है। वहीं, कांग्रेस ने जब नाम बदलने का काम किया तो उसने भारतीयता के प्राण 'राम' का नाम ही बदलने का निर्णय लिया है। इसे साफतौर पर राम और हिन्दू प्रतीक के विरोध के रूप में ही देखा जाएगा। कांग्रेस के इस निर्णय से भारत के संत समाज में भी नाराजगी है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा कि "योगी आदित्यनाथ राम की परंपरा, सनातन की परंपरा के अनुसार नाम बदलते हैं जबकि वे (कर्नाटक सरकार) अपने ढंग से नाम बदलते हैं...राम का नाम उन्हें अच्छा नहीं लगता।

घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण रोज़गार की तलाश करने लगा

रोजगार को गांव तक पहुंचाने की जरूरत है

कृष्णा कुमारी मीणा

रोज़गार की तलाश में कहीं भी जाता था तो मायूसी ही हाथ लगती थी। इसलिए अब मैंने अपनी डिग्री के आधार पर रोज़गार की तलाश छोड़ कर मज़दूरी से ही जुड़ गया हूं। कम से कम इससे आमदनी तो हो रही है और मैं अपने परिवार को पालने में सक्षम तो हूं।" यह कहना है 26 वर्षीय राजकंवर दौसा का, स्नातक पास राजकंवर राजस्थान के धुवालिया नाडा गांव का रहने वाला है। यह गांव अजमेर से लगभग 15 किमी दूर स्थित है। करीब 650 लोगों की आबादी वाले इस गांव में लगभग 100 घर हैं। जिनमें भील, रेगर और मुस्लिम परिवारों की संख्या अधिक है।

"मैंने 12वीं तक विज्ञान विषय से पढ़ाई की है। फिर घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण रोज़गार की तलाश करने लगा। लेकिन मुझे कहीं भी नौकरी नहीं मिली। जिसके बाद मुझे मार्बल फैक्ट्री में मज़दूर के रूप में काम करना पड़ रहा है। रोज़गार की तलाश में कहीं भी जाता था तो मायूसी ही हाथ लगती थी। इसलिए अब मैंने अपनी डिग्री के आधार पर रोज़गार की तलाश छोड़ कर मज़दूरी से ही जुड़ गया हूं। कम से कम इससे आमदनी तो हो रही है और मैं अपने परिवार को पालने में सक्षम तो हूं।" यह कहना है 26 वर्षीय राजकंवर दौसा का, स्नातक पास राजकंवर राजस्थान के धुवालिया नाडा गांव का रहने वाला है। यह गांव अजमेर से लगभग 15 किमी दूर स्थित है। करीब 650 लोगों की आबादी वाले इस गांव में लगभग 100 घर हैं। जिनमें भील, रेगर और मुस्लिम परिवारों की संख्या अधिक है। इस गांव में रोज़गार सबसे बड़ा मुद्दा है। कुछ ही परिवार ऐसे हैं जो स्थाई रूप से रोज़गार से जुड़े हुए हैं।

गांव के 45 वर्षीय तोलाराम बताते हैं कि उनके परिवार में 6 सदस्य हैं। जिनके भरण पोषण की ज़िम्मेदारी उनके कंधो पर है। जिसके लिए वह स्थानीय मार्बल फैक्ट्री में सुपरवाइज़र के रूप में काम करते हैं। वह बताते हैं कि उन्होंने स्नातक तक शिक्षा प्राप्त की है और इस आधार पर कई बार सरकारी नौकरी के लिए आवेदन भी भरा। लेकिन जब नौकरी नहीं लगी तो उन्होंने मार्बल फैक्ट्री में काम करना शुरू कर दिया। तोलाराम बताते हैं कि वह आर्थिक रूप से काफी कमज़ोर हैं। उनके पास इतने पैसे नहीं थे कि वह कोई स्वरोज़गार कर सकते थे। इसलिए उन्होंने प्राइवेट नौकरी करना ही बेहतर समझा। वह बताते हैं कि गांव के बहुत सारे युवा ऐसे हैं जो अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं और उन्हें कोई रोज़गार नहीं मिल रहा है। वह बताते हैं कि रोज़गार के साथ साथ गांव में कई प्रकार की बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। जिसका नकारात्मक प्रभाव भी गांव के विकास पर पड़ता है। गांव में आज तक पक्की सड़क नहीं बन सकी है। जिसके कारण यहां परिवहन की बहुत बड़ी समस्या आती है। गांव से शहर आने जाने के लिए किसी प्रकार का ऑटो या अन्य साधन उपलब्ध नहीं है। ऐसे में रोज़गार करने वालों को भी कठिनाइयों का सामना रहता है। प्रतिदिन अजमेर शहर जाकर नौकरी अथवा मज़दूरी करने वालों को

प्रतिदिन गांव से डेढ़ किमी पैदल चल कर मुख्य सड़क तक पहुंचना होता है, जहां से शहर जाने के लिए गाड़ियां उपलब्ध होती हैं। वह कहते हैं कि यदि गांव में पक्की सड़क का निर्माण हो जाता तो आवागमन की सुविधा हो जाती जिससे रोज़गार करने वालों को आसानी होती।

स्नातक अंतिम वर्ष की छात्रा 21 वर्षीय कुसुम कहती है कि धुवालिया नाडा के अधिकतर युवा या तो प्राइवेट जॉब करते हैं या फिर बाहर जाकर मज़दूरी करते हैं क्योंकि गांव में कृषि के लायक सभी के पास पर्याप्त ज़मीन भी नहीं है और स्वरोज़गार का भी विकल्प नज़र नहीं आता है। वह कहती है कि जल्द ही उसका ग्रेजुएशन पूरा होने वाला है। इस आधार पर वह पिछले कुछ महीनों से लगातार नौकरी के लिए प्रयास कर रही है। लेकिन अभी तक उसे सफलता नहीं मिली है। कुसुम कहती है कि गांव में लड़कों के साथ साथ लड़कियों की शिक्षा पर भी ज़ोर दिया जाता है। इसलिए यहां सभी बच्चे स्कूल जाते हैं। लेकिन पढ़ लिख कर रोज़गार के लिए भटकते नज़र आते हैं। फिर वह या तो फैक्ट्रियों में काम करने लग जाते हैं या फिर किसी निजी संस्था में बहुत कम तनख्वाह पर काम करते हैं। वह कहती है कि गांव में स्वरोज़गार के विकल्प नहीं है। इसीलिए युवा अपना रोज़गार शुरू करने के स्थान पर कहीं नौकरी करते हैं। यदि सरकार और संबंधित विभाग की ओर से गांव में ही स्वरोज़गार के विकल्प उपलब्ध कराये जाएं तो बहुत सारे युवा विशेषकर किशोरियों के सशक्तिकरण की दिशा में बहुत सार्थक पहल होगी। अभी गांव की लड़कियां स्वरोज़गार के नाम पर कपड़े सिलाई करती हैं। लेकिन इससे उन्हें बहुत अधिक लाभ नहीं मिलता है। यदि उन्हें रोजगार से जुड़े कौशल प्रशिक्षण दिए जाएं तो वह गांव में ही रहकर आर्थिक रूप से मज़बूत बन सकती हैं।

एक अन्य युवा 32 वर्षीय जयराम रेगर कहते हैं कि उन्होंने कहीं नौकरी करने से बेहतर कृषि कार्य को प्राथमिकता दिया था और ज़मीन के छोटे टुकड़े पर खेती शुरू की थी, जो उनकी पारिवारिक ज़मीन है। लेकिन कभी सिंचाई तो कभी बीज या मार्केटिंग की समस्या आती थी। जिससे उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ रहा था। यही कारण है कि अब उन्होंने इसे छोड़ कर नौकरी करने की सोची है। हालांकि अब उन्हें रोज़गार ढूंढने में काफी कठिनाई आ रही है। वह कहते हैं कि "गांव में रहकर यदि स्वरोज़गार का कोई माध्यम उपलब्ध हो जाए तो उनके लिए बहुत अच्छा होगा। लेकिन उन्हें नहीं पता कि इसके लिए वह क्या करें? उन्होंने बताया कि केंद्र और राजस्थान सरकार की ओर से स्वरोज़गार से जुड़ी कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसके लिए सरकार आर्थिक सहायता भी प्रदान करती है। लेकिन इसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है? इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। एक अन्य युवा 12वीं पास मुकेश कहते हैं कि 'पढ़ाई के बाद जब रोज़गार का कोई साधन उपलब्ध नहीं हुआ तो उन्होंने फैक्ट्री में काम शुरू किया है। इसके लिए उन्हें प्रतिदिन अजमेर शहर जाना पड़ता है। जिसमें उनके काफी पैसे खर्च हो जाते हैं। लेकिन उनके पास रोज़गार का कोई अन्य विकल्प नहीं है। वह कहते हैं कि पशुपालन के लिए भी आर्थिक सहायता की ज़रूरत होती है। इसके लिए उन्होंने बैंक से लोन लेने का भी प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हुए।

हालांकि केंद्र और राज्य दोनों ही सरकारों की ओर से युवाओं को रोज़गार से जोड़ने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। राजस्थान सरकार की ओर से मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना की शुरुआत की गई है। इसके तहत राज्य के बेरोजगार युवाओं को रोजगार शुरू करने के लिए बैंक से लोन दिया जाता है इसमें सब्सिडी भी उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना में सरकार द्वारा व्यवसाय के आधार पर 25 लाख रुपए से लेकर 10 करोड़ रुपए तक लोन दिया जाता है। योजना के तहत उपलब्ध कराए जाने वाला लोन बैंकों के माध्यम से दिया जाता है।

दृष्टि कोण

सैन्य शहादतों पर सियासत की खामोशी

नौ जून 2024 को भारत की नवनिर्वाचित हुकूमत का शपथ समारोह चल रहा था। प्रधानमंत्री के साथ नई सरकार के मरकजी वजीर हलफ उठा रहे थे। उसी दिन पाक प्रशिक्षित आतंकियों ने जम्मू के रियासी क्षेत्र में श्रद्धालुओं से भरी एक बस पर गोलीबारी करके दस अकीदतमंदों को मौत के घाट उतार दिया था। जाहिर है उस आतंकी हमले के जरिए पाक खूफिया एजेंसी आईएसआई ने हिंदोस्तान की नई हुकूमत के साथ मुल्क के पूरे सियासी निजाम को पैगाम नसर कर दिया कि जम्मू कश्मीर राज्य में आतंकवाद अभी शांत नहीं हुआ है, बल्कि दहशतगर्द व आतंक के पैरोकार भारत को दहलाने के लिए सरहद के उस पार तैयार बैठे हैं। छह जुलाई 2024 को कश्मीर के कुलगाम में सेना की स्पेशल फोर्स के दो जवान आतंकी हमले में बलिदान हो गए। आठ जुलाई 2024 को कठुआ में आतंकियों ने सेना के वाहन पर हमला कर दिया जिसमें पांच जवान वीरगति को प्राप्त हो गए। 16 जुलाई 2024 को डोडा जिला में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में राष्ट्रीय राइफल्स के एक अधिकारी सहित तीन जवानों की शहादत हो गई। गत जुलाई में जब जम्मू कश्मीर राज्य में सेना के जवान आतंकियों को जहन्नुम की परवाज पर भेजकर बलिदान हो रहे थे, उस वक्त मुल्क की सियासत देश के कई राज्यों में हो रहे उपचुनावों में मशगूल थी। सियासी रहनुमां जीत का जश्न मना रहे थे।

चुनावों में जीत व शिकस्त पर आकलन चल रहा था। देश में बड़े उद्योगपतियों के शादी समारोह मीडिया चैनलों की सुर्खियां बने थे। नतीजतन देश की सुरक्षा में मुस्तैद सैनिकों की शहादतें इंतखाबी शोर में दब कर रह गईं। 24 जुलाई 2024 को कुपवाड़ा सेक्टर में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान राष्ट्रीय राइफल्स के शहीद जवान दिलावर खान का संबंध हिमाचल से था। मजहब के नाम पर वजूद में आए पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर को हथियाने के लिए चार बड़े युद्धों को अंजाम दिया। मगर भारतीय सैन्य पराक्रम के आगे पाक सेना को चारों युद्धों में जिल्लत भरी शिकस्त झेलनी पड़ी। जम्मू कश्मीर को दहलाने के लिए पाकिस्तान आतंकी मंसूबों को लगातार अंजाम दे रहा है। राष्ट्र के स्वाभिमान के लिए देश के सैनिक एक मुद्दत से अपना सर्वस्व न्योछावर कर रहे हैं। सैनिकों की शहादतों का सिलसिला बद्दस्तूर जारी है। मगर पाकिस्तान के प्रति भारत की क्रिकेट खेलने की दीवानगी कम नहीं हो रही। गुजिस्ता जुलाई महीने में जम्मू कश्मीर में पाक परस्त आतंकियों से लोहा लेकर देश के जवान शहीद हो रहे थे। उसी दौरान भारत के सीनियर क्रिकेटर 'वल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेड्स' में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने में मशगूल थे। यह कारकर्दगी पाक परस्त आतंक से लडक़र शहीद हो रहे सैनिकों के बलिदान का अपमान है। सवाल यह है कि क्रिकेट बड़ा है या राष्ट्र? आतंकवाद का निर्यात करने वाले मुल्क के साथ खेल व मुजाकरात कितना मुनासिब है? देश के हुक्मरानों को विचार करना होगा। दूसरी विडंबना यह है कि लोकतंत्र के नाम पर देश पर शासन करने वाले सियासी रहनुमाओं का मुल्क के सामरिक क्षेत्र में धरातल पर कोई योगदान नहीं है और न ही जमीनी स्तर पर कोई अनुभव। इसीलिए जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर सहित देश के कई राज्यों में हो रही आतंकी घटनाओं तथा पाक पोषित आतंक पर संसद में कभी चर्चा नहीं होती। बल्कि जम्हूरियत की पंचायतों के तमाम इजलास हंगामे की भेंट चढ़ जाते हैं। हजारों फीट के फराज पर मौजूद दुनिया का सबसे ऊंचा रणक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर व अरुणाचल तथा सिक्किम जैसे राज्यों की संवेदनशील सरहदें सियासी नजर-ए-करम को मोहताज हैं।

पाकिस्तान की सियासी कयादत, सेना व 'आईएसआई' आतंकी रहनुमाओं की खादिम बन चुकी है। दुनिया के मोस्ट वांटेड आतंकियों के लिए सबसे महफूज पनाहगाह पाकिस्तान है। लेकिन सन-1971 में पाकिस्तान को तकसीम करके पाक का भूगोल बदलने वाली विश्व की सर्वोत्तम भारतीय थलसेना उस तारीख को दोहराने की पूरी सलाहियत रखती है। बशर्ते चुनावी तशहीर के दौरान पाकिस्तान के टुकड़े करने वाले सियासी रहनुमां तथा जम्हूरियत की पंचायतों में जाति, मजहब व आरक्षण जैसे मुद्दों पर गर्जने वाली सियासी जमातें पाक परस्त आतंकवाद से निपटने में भी एकजुट होकर इच्छाशक्ति दिखाएं। आतंकी हमलों के एहतजाज में धरने-प्रदर्शन करना व मरकजी हुकूमत को तनकीद का निशाना बनाना या पाकिस्तान का पुतला जलाने से आतंकवाद नहीं थमेगा।

कुछ अलग

वायनाड हादसे के सबक

केरल के वायनाड जिले में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में बड़ी जनहानि हुई है। अब तक 139 लोगों की मृत्यु की जानकारी सामने आ चुकी है। इस हादसे से एक बात सामने आई है, जो अत्यधिक चिंताजनक है। पिछले दस वर्षों में विपक्ष ने सत्ता पक्ष के साथ जिस प्रकार के विरोध की राजनीति का वातावरण बनाया है, उसका असर केन्द्र और राज्य सरकारों के आपसी संघीय रिश्तों पर भी दिख रहा है। राज्य सरकारें केंद्र के निर्देशों एवं सुझावों की अनदेखी करने लगी हैं।

वायनाड भूस्खलन के मामले में अपनी लापरवाही छिपाने के लिए जब कम्युनिस्ट पार्टी एवं कांग्रेस के नेताओं ने आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति शुरू की और केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया तब गृहमंत्री अमित शाह को स्पष्ट करना पड़ा कि इस पूरे मामले में केरल सरकार की लापरवाही उजागर होती है।

उन्होंने राज्यसभा में बयान दिया है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में राजनीतिक टिप्पणियां की जा रही हैं और केंद्र सरकार की ओर से 'चेतावनी देने की व्यवस्था' पर प्रश्न उठाए जा रहे हैं इसलिए बताना चाहूंगा कि केंद्र की तरफ से भारी बारिश के बाद ही सात दिन पहले केरल सरकार को चेतावनी भेजी गई थी। चेतावनी के हिसाब से एनडीआरएफ की नौ टुकड़ियां भी भेज दी गई थीं। लेकिन इसके बाद भी केरल सरकार सोयी रही। उन्होंने उचित ही प्रश्न उठाए हैं कि केंद्र से चेतावनी मिलने के बाद केरल सरकार ने क्या किया? क्या वहाँ से लोगों को विस्थापित किया गया? यदि केरल सरकार केंद्र की चेतावनी को गंभीरता से लेकर आवश्यक कदम उठा लेती, तब 139 लोगों का जीवन असमय ही काल के गाल में नहीं समाता। सभी राजनीतिक दलों को यह समझना चाहिए कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह है और सरकारों के उत्तरदायित्व एवं भूमिकाएं अपनी जगह हैं। भारत का संविधान जिस संघीय ढांचे की बात करता है, उसका अनुपालन करना सभी की नैतिक एवं संवैधानिक जिम्मेदारी है।

केरल में सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी ने हाल ही में ऐसे निर्णय लिए हैं, जिनसे स्पष्ट दिखता है कि वह संविधान के दायरे से बाहर जाकर सरकार चलाना चाहती है। बहरहाल, वायनाड हादसे से हमें दूसरे सबक भी लेने चाहिए। दरअसल, वायनाड का भयावह हादसा पश्चिमी घाट के लगातार दोहन का नतीजा है। अगर इस क्षेत्र को संवेदनशील घोषित करने में देरी हुई तो हालात और भी खराब हो जाएंगे। इस क्षेत्र में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर पूरी तरह से रोक लगाया जाना चाहिए। पश्चिमी घाट में अंधाधुंध विकास के चलते प्रकृति को पहुंचाई जा रही क्षति को देखकर पर्यावरण विशेषज्ञ पहले ही अपनी चिंताओं से सरकार को अवगत करा चुके हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि कई क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों, मानव संसाधनों और सामाजिक ताने-बाने की कीमत पर अंधाधुंध विकास हो रहा है।

पश्चिमी घाट में चल रहा अत्यधिक उत्खनन और मानव हस्तक्षेप वायनाड जैसी त्रासदी का मुख्य कारण है। विकास के नाम पर खनन, सड़क और खतरनाक पहाड़ी ढलानों पर निर्माण हो रहे हैं। जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है। वायनाड हादसे से हमें आवश्यक सबक सीखने चाहिए, अन्यथा इस प्रकार के हादसे होते रहेंगे और सरकारें खानापूर्ति करती रहेंगी।

देश दुनीया से

क्यों किसानों के लिए पशुपालन बोझ बनता जा रहा है?

देश के लगभग सभी किसान कहीं न कहीं खेती के साथ साथ पशुपालन भी ज़रूर करते हैं। इससे जहां उन्हें कृषि संबंधी कार्यों में सहायता मिलती है तो वहीं वह उनके अतिरिक्त आय का स्रोत भी होता है। देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत बनाने पशुपालन भी एक प्रमुख साधन है। लेकिन हाल के कुछ वर्षों में राजस्थान के कई ग्रामीण इलाकों में पशुपालन किसानों के लिए घाटे का सौदा साबित होता जा रहा है। कभी बढ़ती महंगाई तो कभी मवेशियों में फैलती जानलेवा बीमारी किसानों को पशुपालन से दूर करता जा रहा है। कई किसान परिवार अब अपने मवेशियों को बोझ समझ कर पशुपालन का काम छोड़ने पर विचार करने लगे हैं। जो न केवल किसानों के लिए बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदेह साबित हो सकता है।

हमारे देश में किसानों के लिए कृषि कार्य जितना लाभकारी है उतना ही पशुपालन भी उनकी आय का एक बड़ा माध्यम है। देश के लगभग सभी किसान कहीं न कहीं खेती के साथ साथ पशुपालन भी ज़रूर करते हैं। इससे जहां उन्हें कृषि संबंधी कार्यों में सहायता मिलती है तो वहीं वह उनके अतिरिक्त आय का स्रोत भी होता है। देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत बनाने पशुपालन भी एक प्रमुख साधन है। लेकिन हाल के कुछ वर्षों में राजस्थान के कई ग्रामीण इलाकों में पशुपालन किसानों के लिए घाटे का सौदा साबित होता जा रहा है। कभी बढ़ती महंगाई तो कभी मवेशियों में फैलती जानलेवा बीमारी किसानों को पशुपालन से दूर करता जा रहा है। कई किसान परिवार अब अपने मवेशियों को बोझ समझ कर पशुपालन का काम छोड़ने पर विचार करने लगे हैं। जो न केवल किसानों के लिए बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदेह साबित हो सकता है। राज्य के बीकानेर जिला स्थित लूणकरणसर ब्लॉक का करणीसर गांव भी इसका एक उदाहरण है। जहां किसानों के लिए मवेशी पालना आय का अतिरिक्त स्रोत नहीं बल्कि घाटे का कारण बनता जा रहा है।

ब्लॉक मुख्यालय से करीब 35 किमी दूर इस गांव में 543 परिवार आबाद हैं। इनमें लगभग सभी परिवार खेती किसानी के साथ साथ पशुपालन का काम भी करता है। गांव में प्रवेश करते ही जगह जगह पालतू मवेशी खुले में घूमते नज़र आ जाएंगे। इनमें सबसे अधिक संख्या गायों की है। इस संबंध में 35 वर्षीय किसान लालचंद बताते हैं कि पहले की अपेक्षा अब मवेशी पालना कठिन हो गया है। जितनी उससे आमदनी नहीं होती है उससे अधिक उनके चारे में खर्च हो जाता है। वह बताते हैं कि वर्षों से उनके परिवार की परंपरा रही है कि कृषि के साथ साथ गाय भी पाले जाते हैं। इस समय उनके पास भी 6 गायें हैं। लेकिन अब उनके लिए इस परंपरा को जारी रखना मुश्किल होता जा रहा है क्योंकि इन गायों से जितनी दूध नहीं मिलती है उससे कहीं अधिक उनके लिए चारे की व्यवस्था करनी पड़ती है। लगातार बढ़ती महंगाई भी इस दिशा में उनके लिए बहुत बड़ी समस्या के रूप में सामने खड़ी है। लालचंद बताते हैं कि फसल कटाई के समय मवेशी के लिए चारा उपलब्ध हो जाता है, जो अगले कुछ महीनों के लिए काफी होता है। लेकिन उसके बाद चारा खरीदने पड़ते हैं जो पहले की अपेक्षा महंगी मिलती है।

वहीं एक अन्य किसान रविदास स्वामी बताते हैं कि कृषि कार्य के साथ साथ उनके पास 10 गायें भी हैं। जिनके लिए अब उन्हें चारे की व्यवस्था बहुत मुश्किल से होती है। वह बताते हैं कि करणीसर गांव में पीने के पानी की बहुत बड़ी समस्या है। जो पानी बावड़ी या अन्य स्रोतों से उपलब्ध होता है वह बहुत खारा होता है। जिसे इंसान ही नहीं मवेशी भी पीकर बीमार होते जा रहे हैं। वह कहते हैं कि गांव में कोई भी आर्थिक रूप से इतना संपन्न नहीं है कि अकेले अपने परिवार के लिए पीने के पानी का टैंकर मंगवा सके। इसलिए सभी गांव वाले आपस में पैसा इकठ्ठा करके हर हफ्ते पानी का टैंकर मंगाते हैं। ऐसे में भला हम अपने मवेशियों के लिए पीने का अच्छा पानी कहां से उपलब्ध करा सकते हैं। मजबूरीवश उन्हें खारा पानी देते हैं। जिसे पीकर वह अक्सर बीमार हो जाते हैं और कई बार उनकी मौत भी हो जाती है। वह बताते हैं कि करणीसर गांव या लूणकरणसर ब्लॉक में भी जानवरों का कोई अस्पताल नहीं है। ऐसे में उन्हें 200 किमी दूर बीकानेर जिला में संचालित जानवरों के सरकारी अस्पताल ले जाना पड़ता है। जो बहुत खर्चीला साबित होता है।

एक अन्य ग्रामीण अजीत कहते हैं कि कृषि कार्यों के अतिरिक्त उनके पास करीब 40 गायें थीं। लेकिन धीरे धीरे सभी बीमार होकर मरती गईं और अब केवल उनके पास केवल 8 गायें रह गई हैं। जिनके चारा और अन्य व्यवस्था करना भी उनके लिए बहुत मुश्किल होता जा रहा है। अब वह पशुपालन का काम छोड़ने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांव में किसानों के लिए पशुपालन कितना मुश्किल होता जा रहा है, इस बात से अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि उन्होंने बची सभी आठ गायों को बेचना चाहा लेकिन गांव में किसी किसान ने इसे खरीदने में रूचि नहीं दिखाई। वह बताते हैं कि बहुत से किसानों ने अब पशुपालन का काम छोड़कर केवल कृषि कार्यों पर अपना ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। यही कारण है कि करणीसर गांव में बहुत अधिक पशु खुले में घूमते नज़र आ जायेंगे जिनके मालिक ने उन्हें खुला छोड़ दिया है। अजीत कहते हैं कि सरकार की योजनाओं से करणीसर गांव के पशुपालक अनभिज्ञ हैं। इसलिए वह इससे जुड़े किसी भी योजना का लाभ उठाने से वंचित रह जाते हैं।

हालांकि राज्य सरकार की ओर से पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए काफी प्रयास किये जा रहे हैं। पिछले माह जुलाई में राज्य का पूर्णकालिक बजट प्रस्तुत करते हुए राजस्थान सरकार की ओर से 'मुख्यमंत्री मंगला पशु योजना' शुरू करने की घोषणा की गई है।

आप का नजरीया

विकास की दौड़ में पीछे छूटते दिव्यांग

आज के समय में छोटी से छोटी गलियां, मोहल्ले, गांव और शहर विकसित हो रहे हैं। इसके लिए सरकार की ओर से अनेकों योजनाएं भी चलाई जा रही हैं ताकि इसका लाभ समाज के सभी वर्गों को मिले और सभी नागरिक समान रूप से विकसित भारत का हिस्सा बन सकें। इस बार के केंद्रीय बजट में भी इसका विशेष ध्यान रखा गया है। सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाओं के बजट में पिछले साल की तुलना में इस वर्ष वृद्धि की है। लेकिन इसके बावजूद हमारे समाज में दिव्यांग एक ऐसा वर्ग है जिसकी अन्य वर्गों की तुलना में अधिक उपेक्षा हो जाती है। अक्सर विकास का खाका तैयार करते समय इस वर्ग को भुला दिया जाता है। जबकि इन्हें सबसे अधिक सहायता और योजनाओं की आवश्यकता होती है। केवल ग्रामीण क्षेत्रों में ही नहीं बल्कि देश के शहरी क्षेत्रों विशेषकर स्लम बस्तियों में रहने वाले दिव्यांगों को भी जीवन में प्रतिदिन कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं में एक बघेरा मोहल्ला नाम से आबाद स्लम बस्ती भी है, जहां रहने वाले कई दिव्यांगों के लिए जीवन मुश्किलों से भरा होता है। जो केंद्र और राज्य सरकार द्वारा इनके हितों में चलाई जा रही योजनाओं से वंचित हैं। बिहार की राजधानी पटना स्थित गर्दनीबाग इलाके में आबाद यह स्लम बस्ती पटना हवाई अड्डे से महज 2 किमी दूर और बिहार हज भवन के ठीक पीछे स्थित है। ऐतिहासिक शाह गड्डी मस्जिद, (जिसे स्थानीय लोग सिगड़ी मस्जिद के नाम से जानते हैं), से भी इस बस्ती की पहचान है। यहां तक पहुंचने के लिए आपको एक खतरनाक नाला के ऊपर बना लकड़ी के एक कमजोर और चरमराते पुल से होकर गुजरना होगा। यहां रहने वाले 62 वर्षीय नाथोताती दास बताते हैं कि "यह स्लम बस्ती पिछले करीब 40 वर्षों से आबाद है। 1997 में सरकार ने इस बस्ती को स्लम क्षेत्र घोषित किया था। यहां लगभग 250 से 300 घर है जहां करीब 700 लोग रहते हैं। इनमें कुछ दिव्यांगजन भी हैं।" उनके अनुसार इस बस्ती में लगभग 70 प्रतिशत अनुसूचित जाति समुदाय के लोग आबाद हैं। जिनका मुख्य कार्य मजदूरी और ऑटो रिक्शा चलाना है। जबकि किसी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं मिलने के कारण यहां रहने वाले दिव्यांगजन कुछ भी काम करने में असमर्थ हैं। नाथोताती दास बताते हैं कि 'पहले वह ट्रक चलाने का काम किया करते थे। करीब बीस वर्ष पूर्व एक दुर्घटना के कारण वह अपने दोनों पैरों से दिव्यांगहो गए। जिसकी वजह से वह कोई भी रोज़गार करने में असमर्थ हो गए हैं। पत्नी आसपास की कॉलोनी में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती हैं जिससे किसी प्रकार से परिवार का भरण पोषण होता है। वह बताते हैं कि पैसों की कमी के कारण उनकी दोनों बेटियों का स्कूल भी छूट गया है। वह बताते हैं कि उन्हें आज तक किसी योजना का लाभ नहीं मिल सका है। हालांकि इसके लिए वह कई बार स

विनेश फौगाट मामले पर गरमाई हरियाणा की राजनीति, महावीर फौगाट से मिले भगवंत मान

चंडीगढ़ (हिंस)। पेरिस ओलंपिक में विनेश फौगाट का वजन अधिक होने के कारण उसे डिस्क्वालीफाई किए जाने के बाद हरियाणा की राजनीति गरमाई हुई है। कांग्रेस ने विनेश फौगाट के बहाने सत्तारूढ़ भाजपा को घेरा। विनेश फौगाट के डिस्क्वालीफाई होने के मामले को लेकर कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल आक्रामक हो रहे हैं। कांग्रेस का आरोप है कि विनेश फौगाट के जीतने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने तो ट्वीट करके उसे बधाई दी, लेकिन मुख्यमंत्री नायब सैनी समेत भाजपा के अन्य किसी भी नेता ने बधाई नहीं दी। अलबत्ता बुधवार को जब विनेश फौगाट को डिस्क्वालीफाई किए जाने की खबर आई तो मुख्यमंत्री व अन्य भाजपा

नेताओं ने जरूर ट्वीट किए। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बुधवार को ट्वीट करके कहा कि विनेश आप भारत का गौरव हैं, आप हर भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। आपने अपनी शानदार खेल प्रतिभा से ओलंपिक में भारत का सिर गर्व से ऊंचा किया है। आज का फैसला हर भारतीय के लिए बेहद ही दुखद है। हरियाणा समेत पूरा भारत आपके साथ खड़ा है। आपने सभी चुनौतियों का डट कर सामना किया है। हमें अपनी बेटी पर पूर्ण विश्वास है कि आप हर बाधाओं को पार कर हमेशा भारत का मान बढ़ाती रहेंगी। भारत की शान हमारी बेटी विनेश फोगाट। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने मंगलवार की रात जहां विनेश को जीत के लिए शुभकामनाओं का ट्वीट किया था, वहीं बुधवार को उन्होंने विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराए जाने पर दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि गोल्ड मेडल की दहलीज पर खड़े किसी खिलाड़ी के साथ उन्होंने ऐसा होते हुए पहले कभी नहीं देखा। इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए और भारत सरकार को इसमें हरसंभव हस्तक्षेप करना चाहिए। कांग्रेसी सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि जब सारा देश विनेश से गोल्ड मेडल जीतकर लाने का इंतजार कर रहा था, तब उनके अयोग्य घोषित होने की खबर ने सबको स्तब्ध कर दिया। सारे देश के साथ साथ मैं भी आज व्यथित हूं और भावुक हूं। यह चूक कैसे हुई और किस स्तर पर हुई? आखिर साथ भेजे गए अधिकारियों की क्या जिम्मेदारी थी। इनेलो विधायक अभय चौटाला ने कहा कि हमारी बेटी के साथ नाइंसाफी हुई है। यह घटना केवल मेडल तक सिमित नहीं है अपितु देश की बेटी को मानसिक आघात भी पहुंचा है। केंद्र सरकार एवं भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा इस निर्णय को चैलेंज करते हुए ठोस कदम उठाना चाहिए ताकि देश की बेटी को इंसाफ मिल सके। इस सब के बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी इस मुद्दे में कूद गए।

हमारी संस्कृति को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे व्रत व त्यौहार : आशा खेदड़

हिसार (हिंस)। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं उकलाना से उम्मीदवार रहीं डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि हमारे व्रत व त्यौहार हमारी संस्कृति को बनाए रखने में महत्पूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हमें समय-समय पर आने वाले इन त्यौहारों को मनाकर आपसी, प्रेम व भाइचारे का संदेश देना चाहिए। डॉ. आशा खेदड़ बुधवार को उकलाना में नई आशा फाउंडेशन की ओर से अग्रवाल सेवा सदन में आयोजित तीज उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। संगठन की ओर से तीज पर्व उमंग व हर्षोल्लास से मनाया। इसमें महिलाओं ने तीज के गीतों पर जमकर नृत्य किया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति इतनी समृद्ध है कि हर मास में कोई न कोई त्यौहार जरूर आता है। उन्होंने सभी को हरियाली तीज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तीज पर्व मां पार्वती व भगवान शिव से संबंधित है, तीज सुहागिनी स्त्रियों का त्यौहार है।

बदले अंतराष्ट्रीय हालात के मद्देनजर सीमा पर पहुंचे बीएसएफ आईजी

बीकानेर (हिंस)। राजस्थान फ्रंटियर सीमा सुरक्षा बल महानिरीक्षक एम एल गर्ग स्वतंत्रता दिवस के पूर्व एवम बदले अंतर्राष्ट्रीय हालात के मद्देनजर अंतर्राष्ट्रीय सीमा का जायजा लेने 114 बटालियन सीमा सुरक्षा बल खाजूवाला पहुंचे। इस दौरान महेन्द्र सिंह, कमांडेंट 114 बटालियन ने अगवानी की। इस दौरे में उनके साथ सेक्टर बीकानेर कार्यवाहक डीआईजी सुब्रत राय (समादेष्टा), उप समदेष्टा (सामान्य) महेश चंद जाट एवम प्रशांत टंडन (सहायक कमांडेंट /वर्क्स) भी आए। कार्यक्रम के दौरान महानिरीक्षक राजस्थान फ्रंटियर द्वारा वाहिनी क्वार्टर गार्ड का निरीक्षण और सैनिक सम्मेलन लिया गया।

आरपीएससी : छह विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रस्तावित परीक्षा तिथि घोषित

अजमेर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने छह विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन की प्रस्तावित परीक्षा तिथि जारी कर दी है। इन परीक्षाओं का आयोजन वर्ष 2025 में 17 अगस्त से 12 अक्तूबर 2025 तक किया जाना प्रस्तावित किया गया है। आयोग सचिव ने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रमानुसार एनालिस्ट कम प्रोग्रामर/ उपनिदेशक प्रतियोगी परीक्षा -2024 का आयोजन 17 अगस्त 2025 तथा भूवैज्ञानिक प्रतियोगी परीक्षा-2024 एवं सहायक खनि अभियंता प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 31 अगस्त 2025 को किया जाना प्रस्तावित है। संरक्षण अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 7 सितंबर 2025 एवं सहायक अभियंता संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 28 सितंबर 2025 को किया जाना प्रस्तावित किया गया है।

हरियाणा की रिक्त एक राज्यसभा की सीट के लिए चुनाव का एलान

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्रीय चुनाव आयोग ने हरियाणा में खाली हुई राज्यसभा सीट के लिए बुधवार को चुनाव कार्यक्रम का एलान कर दिया है। अब तक कांग्रेस के हिस्से में रही इस सीट से करीब दो साल के लिए भाजपा अपना राज्यसभा सांसद सदन में भेजेगी। रिक्त हुई सीट का कार्यकाल 9 अप्रैल 2026 तक होगा। चुनाव आयोग के अनुसार हरियाणा से राज्यसभा की एक सीट के लिए चुनाव की अधिसूचना 14 अगस्त को जारी होगी। इसके लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त, नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त और नाम वापसी की अंतिम तिथि 27 अगस्त तय की है। यदि जरूरत हुई तो 3 सितंबर को मतदान होगा और उसी दिन मतगणना होगी। राज्य की 90 सीटों की हरियाणा विधानसभा में इस समय विधायकों की संख्या 87 है। जिनमें भाजपा के 41, कांग्रेस के 29, जननायक जनता पार्टी के दस, निर्दलीय पांच, हरियाणा लोकहित पार्टी व इनेलो का एक-एक विधायक शामिल है। प्रदेश से इस समय सुभाष बराला, रामचंद्र जांगड़ा तथा कृष्ण लाल पंवार भाजपा से तो कार्तिकेय शर्मा निर्दलीय कोटे से भाजपा समर्थित राज्यसभा के सदस्य हैं। इससे पहले कांग्रेस के कोटे से दीपेंद्र सिंह हुड्डा हरियाणा से राज्यसभा के सदस्य थे। दीपेंद्र हुड्डा के रोहतक से लोकसभा सांसद बनने के बाद रिक्त हुई इस सीट के लिए 3 सितंबर को मतदान होना है। वर्तमान राजनीतिक आंकड़ों के हिसाब से यह सीट भाजपा के पास जाएगी। इस सीट पर भाजपा की तरफ से कैप्टन अभिमन्यु, कुलदीप बिश्नोई, रामबिलास शर्मा, किरण चौधरी समेत कई नेता प्रबल दावेदार हैं। भाजपा से टिकट के उक्त नेता लॉबिंग कर रहे हैं, वहीं कार्यक्रम घोषित होने से पहले कांग्रेस तथा जननायक जनता पार्टी इस रिक्त हुई सीट के लिए गेंद एक-दूसरे के पाले में डाल रहे हैं। ऐसे में संभावना बहुत कम है कि विपक्ष की तरफ से इस सीट के लिए किसी को उम्मीदवार बनाया जाए। इस समय कांग्रेस तथा जजपा एकजुट नहीं है।

पेरिस ओलंपिक : महिला टेबल टेनिस टीम का खत्म हुआ सफर, जर्मनी के हाथों 1-3 से मिली हार

पेरिस (हिंस)। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम का पेरिस ओलंपिक 2024 में सफर समाप्त हो गया है। मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ की भारतीय महिला टीम को बुधवार को टेबल टेनिस वुमेन्स टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जर्मनी से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम के पास मौका था कि वो सेमीफाइनल के लिए प्रवेश कर सकें लेकिन वो जर्मनी से मिली हार के बाद पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गई। मुकाबले की बात करें तो दोनों टीमों के बीच पहला मैच युगल का खेला गया। युगल मैच में भारत की श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ की जोड़ी को जर्मनी की युआन वान और जिओना शान की जोड़ी से 5-11, 11-8, 10-12, 6-11 से हार झेलनी पड़ी। दूसरा मैच एकल का खेला गया। एकल मैच में भारत की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा और जर्मनी की कॉफमैन एनेट के बीच खेला गया। एकल मैच में मनिका बत्रा ने पहला गेम तो जीता लेकिन अगले तीन गेम नहीं जीत सकीं और मैच 11-8, 5-11, 7-11, 5-11 से हार गईं। इससे जर्मनी की टीम ने 2-0 से बढ़त बना ली। इसके बाद अर्चना कामथ ने भारतीय टीम को उम्मीद की किरण दिखाई। तीसरा मैच अर्चना कामथ और जर्मनी की जओना शान के बीच खेला गया। कामथ ने यह मैच 19-17, 1-11, 11-5, 11-9 से जीता। चौथा मैच भारत की ओर से श्रीजा अकुला और जर्मनी की ओर से कॉफमैन एनेट खेलने आईं।

तीज की शाही सवारी देखने उमड़े जयपुरवासी

जयपुर (हिंस)। श्रावण शुक्ल तृतीया हरियाली तीज को सिटी पैलेस के जनानी ढ्योढ़ी से तीज माता की सवारी रियासतकालीन शाही ठाठ बाट से निकली। सुर्ख लाल पोशाक में स्वर्णाभूषण से सुसज्जित तीज माता जैसे ही चांदी की पालकी में सवार होकर त्रिपोलिया गेट से बाहर आईं तो सड़क, बरामदों और छतों पर बैठे श्रद्धालुओं ने तीज माता के जयकारों से चारदीवारी को गूंजायमान कर दिया। पूर्व राजपरिवार की सदस्य गौरवी कुमारी ने सिटी पैलेस में जनानी ड्योढ़ी में पारंपरिक पूजा-अर्चना की। वहीं त्रिपोलिया गेट पर पद्मनाभ सिंह ने तीज माता की आरती उतारी। हजारों की संख्या में स्थानीय लोगों के साथ बड़ी संख्या में देसी-विदेशी पर्यटकों ने रियासतकालीन तीज की सवारी देखी और नजारों को मोबाइल में कैद किया। सबसे आगे सजे धजे गजराज

पर सवार महावत पूर्व राजपरिवार का पंचरंगा ध्वज थामे हुए था। राजस्थानी धुन बिखेरते बैंड बाजा वादक, सजे हुए ऊंट-घोड़े और शाही लवाजमे के साथ निकली तीज माता की एक झलक पाने के लिए लोग उतावले नजर आए। प्रदेश के अलग-अलग स्थानों से आए करीब 200 कलाकारों ने प्रदेश की लोक कला और संस्कृति की छटा बिखेर कर लोगों का दिल जीत लिया। राजस्थान के प्रसिद्ध कालबेलिया, गैर नृत्य, बहरूपिया, मशक वादन, कठपुतली नृत्य, कच्छी घोड़ी और अलग-अलग बैंड, अनेक लोक कलाकारों के समूह तीज की शाही सवारी में शामिल होकर शानदार प्रस्तुतियां दीं। कच्छी घोड़ी नृत्य की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रहे। गैर नृत्य और बहरूपिया कलाकारों के साथ विदेशी पर्यटकों ने सेल्फी ली। लोक कलाकारों ने मयूर नृत्य से लोगों को प्रभावित किया। वहीं, कालबेलिया नृत्यांगनाएं भी मौजूद रहीं। जो नृत्य करते हुए आगे चल रही थीं। तीज की सवारी के साथ चल रहे राजस्थानी मस्कट के साथ फोटो खिंचवाने का क्रेज दिखा। तीज की सवारी के साथ चल रहे राजस्थानी मस्कट के साथ फोटो खिंचवाने का क्रेज दिखा। पर्यटन विभाग की ओर से विदेशी पर्यटकों के लिए त्रिपोलिया गेट के सामने हिंद होटल की छत पर बैठने की व्यवस्था की गई।

सांसद जांगड़ा ने महिलाओं के खिलाफ की अमर्यादित टिप्पणी : रामबिलास जांगड़ा

हिसार (हिंस)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामबिलास जांगड़ा ने भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा द्वारा हरियाणा के नागरिकों व नर्सिंग महिलाओं के बारे में की गई टिप्पणी की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि केवल अपने आकाओं को खुश करने के लिए रामचन्द्र जांगड़ा ने सभी सीमाएं लांघ दीं और हरियाणा के नागरिकों व महिलाओं का अपमान कर डाला, जो न केवल निंदनीय है, बल्कि इसके लिए सांसद जांगड़ा को माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस नेता रामबिलास जांगड़ा ने बुधवार को कहा कि राज्यसभा में जब सांसद रामचन्द्र जांगड़ा को बोलने का मौका मिला तो उनके पास बोलने को कोई शब्द नहीं थे। शब्द तब होते हैं, जब कोई नेता हो और उसे धरातल का ज्ञान हो। ऐसे में रामचन्द्र जांगड़ा ने केवल अपने भाजपाई आकाओं को खुश करने की सोची और उनको खुश करने के चक्कर में अपनी उस धरती को भूल गए, जहां वे रहते हैं, जहां का खाते हैं और जहां काम करते हैं। उन्होंने अपनी टिप्पणी में हरियाणा व हरियाणवी लोगों को सीधे तौर पर मूर्ख बताया ताकि उनके भाजपाई आका खुश हो सकें, क्योंकि वे जानते हैं कि केंद्र की भाजपा सरकार हरियाणा व हरियाणवी लोगों के खिलाफ है। इसी तरह अपनी एक अन्य टिप्पणी में उन्होंने नर्सिंग कामकाज से जुड़ी महिलाओं का अपमान किया, जो और भी निंदनीय है। उन्होंने कहा कि रामचन्द्र जांगड़ा जैसे लोग राज्यसभा में जाने लायक नहीं है और ये तो वहीं पर ठीक रहते हैं जहां पहले थे।

बाड़मेर में एक दिन में लगाए दो लाख पौधे : 16 लाख पौधारोपण करने का लक्ष्य

बाड़मेर (हिंस)। हरियालो राजस्थान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बाड़मेर में एक दिन में दो लाख पौधे लगाए गए। जिले भर में 16 लाख पौधे लगाने का टारगेट है। इसकी शुरुआत बुधवार को प्रभारी सचिव सुबीर कुमार ने बांदरा और पुलिस लाइन में की। पौधों की देखभाल के लिए जियो टैंगिग करवाई जा रही है। प्रभारी सचिव ने कहा कि हर इंसान को पौधे लगाने चाहिए। साथ ही उन पौधों की देखरेख भी की जानी चाहिए। प्रभारी सचिव ने सबसे पहले जिला स्तरीय प्रोग्राम ग्राम पंचायत बांदरा में वन खंड एवं जिला मुख्यालय पर पुलिस लाइन में पौधोरापण किया। इस दौरान जिला कलेक्टर निशांत जैन, एसपी नरेंद्र सिंह मीना, जिला प्रमुख महेंद्र चौधरी, चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, बाड़मेर विधायक डॉ. प्रियंका चौधरी सहित जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, जिले भर में ग्राम पंचायत, स्कूलों, सरकारी विभागों, स्वंयसेवी संस्थाओं ने पौधारोपण किया। जिले भर में एक ही दिन एक लाख 96 हजार 140 पौधे लगाए गए। इसके साथ उन पौधों की जियो टैगिंग की गई। जिले की प्रत्येक सरकारी ऑफिस परिसर, खेल मैदान में पौधारोपण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा सरकारी और प्राइवेट स्कूल परिसरों के साथ-साथ चारागाह, राजकीय भूमि, निजी खातेदारी भूमि और सड़क किनारे एवं गांव के सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण किया गया। प्रभारी सचिव सुबीर कुमार ने बताया-जिला मुख्यालय प्रोग्राम बांदरा ग्राम पंचायत में हमने ढाई हजार पौधे लगाए हैं। पुलिस लाइन में 1500 पौधे लगाए गए हैं। पूरे जिले में आज 2 लाख पौधे लगाए गए हैं। जिले में 16

लाख पौधे लगाने का टारगेट रखा गया है। सारे पौधों की जियो टैगिंग की गई है। साथ ही पौधों को जीवत रखना भी हमारा लक्ष्य है। निश्चित तौर पर हरियाला राजस्थान के रूप में उभरेगा। हर इंसान को अपने जन्मदिन सहित अलग-अलग अवसर पौधे लगाने चाहिए। इस अभियान के तहत जिले में जिला स्तरीय और उपखंड स्तर पर अलग-अलग प्रोग्राम का आयोजन हुआ। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ पलनीचामी ने बताया- बाड़मेर पंचायत समिति में मूढ़ो का तला, बाड़मेर ग्रामीण में वनखंड बांदरा, शिव में खेल मैदान, गडरारोड में आवासीय विद्यालय जैसिंधर स्टेशन, रामसर में उपखंड अधिकारी कार्यालय, चौहटन में रूप वाटिका पंचायत समिति परिसर, धनाउ में पंचायत समिति परिसर, सेड़वा में ग्राम पंचायत परिसर, फागलिया में राउमावि गंगासरा, धोरीमन्ना में राउमावि लूखू, गुढ़ामालानी में उपखंड अधिकारी कार्यालय में पौधारोपण किया गया। हरियालो राजस्थान-एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत समस्त पौधों की जियो टैगिंग करते हुए जानकारी हरियालो राजस्थान एप और मेरी लाइफ एप पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए थे। इस अभियान में जन सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए समस्त राजस्व गांवों में पर्याप्त मात्रा में पौधारोपण के लिए पौधों की व्यवस्था की गई है।

गंगा का जल स्तर खतरा बिंदु के करीब, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

बलिया (हिंस)। बलिया में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने एलर्ट जारी किया है। केंद्रीय जल आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगा नदी का जल स्तर गायघाट में बुधवार सुबह आठ बजे 56.78 मीटर था, जो खतरा बिंदु 57.615 मीटर से महज 0.835 मीटर नीचे है। गंगा नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि के कारण सदर तहसील व बैरिया के गांव सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। अपर जिलाधिकारी डीपी सिंह ने उप जिलाधिकारी सदर एवं बैरिया को निर्देश दिया है कि अपने-अपने तहसील अंतर्गत बाढ़ से प्रभावित होने वाले गांवों के आसपास रहने वाले लोगों को सचेत कर दें। लोग या पशु गंगा नदी के जलभराव की तरफ न जाएं। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों से कहा है कि बाढ़ चौकियों को तत्काल स्थापित कर कर्मचारियों की तैनाती करते हुए बाढ़ चौकियों एवं बाढ़ शरणालयों का स्वयं निरीक्षण कर लें। साथ ही बाढ़ से सम्बन्धित समस्त विभागों के अधिकारी क्षेत्रीय एसडीएम व अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड से निरंतर संपर्क बनाए रखते हुए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कर लें।

मोतिहारी में सद्भावना एक्सप्रेस पर पथराव, कई यात्री घायल

पूर्वी चंपारण (हिंस)। मोतिहारी बापूधाम रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर सिंघिया समपार फाटक के पास मंगलवार देरशाम कुछ असामाजिक तत्वों ने आनंद बिहार से रक्सौल जा रही सद्भावना एक्सप्रेस पर पथराव कर दिया। इससे स्लीपर बोगी में सफर कर रहे कई यात्री घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल एक यात्री को निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। घायल यात्री की पहचान सुगौली नगर पंचायत वार्ड संख्या 8 के निवासी मनोज सोनी के रूप में हुई है। सोनी मोतिहारी से सुगौली जाने के लिए स्लीपर बोगी में बैठे थे। मनोज के परिजनों ने बताया कि घटना के बाद आरपीएफ और जीआरपी जानकारी लेने तक अस्पताल नहीं पहुंची। उल्लेखनीय है कि मोतिहारी से सुगौली के बीच कई बार विभिन्न ट्रेनों पर पथराव हो चुका है।

सीबीआई टीम पर हमले का एक और आरोपी गिरफ्तार

नवादा (हिंस)। जिले की रजौली थाना पुलिस ने बुधवार को सीबीआई टीम पर हमले के एक और आरोपी कसियाडीह गांव निवासी रामोतार महतो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों यूजीसी नेट के पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम नवादा जिले के रजौली कसियाडीह गांव पहुंची थी, जहां सीबीआई के अधिकारियों को फर्जी बताते हुए ग्रामीणों ने हमला कर दिया था। इस दौरान चालक समेत अन्य लोग जख्मी हो गए थे। इस घटना के बाद सीबीआई ने रजौली थाना में 8 नामजद एवं कुछ अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस एक युवती समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। रजौली थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि सीबीआई और पुलिस टीम पर हुए हमले एवं मारपीट को लेकर पुलिस सघनता से अनुसंधान में जुटी है।

मां को सम्मान देने वाले करते हैं मातृभूमि की रक्षा : एम एस बिट्टा

स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज के माता अशरफी देवी की पुण्यतिथि पर विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन

फरीदाबाद (हिंस)। सूरजकुंड रोड स्थित श्री लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम श्री सिद्धदाता आश्रम में हरियाणा पीठाधीश्वर श्रीमद जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज की माता अशर्फी देवी की पांचवी पुण्यतिथि पर बुधवार को हजारों भक्तों ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम एस बिट्टा भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि ये याद रखना कि हम सब पर मां की कृपा का कर्ज है, वह चाहे हमारी जन्म देने वाली मां हो या आश्रय देने वाली भारत मां हो। इस अवसर पर बिट्टा ने कहा कि वह भारत मां की सेवा में आजन्म लगे हुए हैं तो यह भगवान की कृपा है जो वह गुरु रूप में हमारा मार्गदर्शन करते हैं, सम्बल प्रदान करते हैं और हमें पल पल सँभालते रहते हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धदाता आश्रम में आने पर असीम ऊर्जा प्राप्त होती है। गुरूजी स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज के सान्निध्य में बैठने में मन लगता

है और वह यहां बार बार आना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि भगवान को साक्षी मानकर आप लोग धर्म और देश को सर्वोपरि रखो, गुरु महाराज एवं गुरु माता हम सबपर अपनी कृपा अवश्य रखेंगे। इस अवसर पर पहुंचे मानव रचना विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रशांत भल्ला ने बताया कि वह यहां अक्सर आते हैं और यथा संभव सेवा कर रहे हैं। मुझसे पहले पिताजी डॉ. ओपी भल्ला जी अपना समय यहां दिया करते थे और वर्तमान में मैं अपनी मां सत्या भल्ला के निर्देशन में समाज में अपना योगदान दे रहा हूं। मां इस संसार में भगवान का रूप हैं। इस अवसर जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने कहा कि हमारी माता करुणामयी सब पर दया करने वाली हैं। हमारे गुरु महाराज ने जो आध्यात्मिक यात्रा पूरी की, उसमें सबसे बड़ा योगदान मां ने दिया। हमारे मंदिर पर जब शिखर बनने की बारी आयी तो माता जी ने सबसे पहले अपने आभूषण दान किये। मां के चरणों में स्वर्ग होता है। मां कभी कुमाता नहीं हो सकती है। हम सब जिनकी पुण्यतिथि मना रहे हैं उनका इस सिद्धदाता आश्रम के प्रादुर्भाव में भी बड़ा योगदान रहा है। शिविर में हड्डी एवं जोड़ रोग, हृदय रोग, सांस रोग, प्रसूति एवं स्त्री रोग सहित नेत्र रोग के वरिष्ठ विशेषज्ञ मौजूद रहे। पुष्पांजलि सभा में गायक गोपाल शर्मा ने सुमधुर भजनों एवं स्वामी सुदर्शनाचार्य वेद वेदांग संस्कृत महाविद्यालय के छात्रों ने वेद की ऋचाओं की प्रस्तुति दी।

वित्त मंत्री सीतारमण ने लोकसभा में कहा–पहली बार 58.57 लाख करदाताओं ने भरा आयकर रिटर्न

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि पहली बार 58.57 लाख करदाताओं ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरा है। यह टैक्स फाइलिंग के बढ़ते आधार का प्रमाण है। वित्त मंत्री ने कहा कि टैक्स रिटर्न फाइल करने के लिए प्रेरित करने के कई उपायों के कारण ये बदलाव आया है।

सीतारमण ने लोकसभा में वित्त विधेयक 2024 पर चर्चा का जवाब दे रही हैं। वित्त मंत्री ने मध्यम वर्ग के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए 2023 में व्यक्तिगत आयकर स्लैब के पिछले संशोधन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्लैब को काफी उदार बनाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप सभी करदाताओं को 37,500 रुपये कम कर देयता का लाभ मिल रहा है।

वित्त विधयेक पर लोकसभा में चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने नई कर व्यवस्था के तहत स्लैब में फिर बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि 15 लाख रुपये की इनकम पर प्रभावी कर 2023 में घटाकर 10 फीसदी कर दिया गया था, जिसे इस वर्ष 2024 में और कम कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस बजट में वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती को भी 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया गया है। यह वेतनभोगी कर्मचारी के लिए 17500 रुपये तक की प्रभावी राहत है।

वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती को 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया है

लोकसभा में वित्त विधयेक पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने सदन को बताया कि सरकार ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न उपायों को लागू किया है। इन प्रयासों से घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। उन्होंने सदन को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिया था कि वे कोविड–19 के खर्चों को पूरा करने के लिए टैक्स में वृद्धि न करें।

न्यूज ब्रीफ

सीबीडीटी ने पैन-आधार लिंकेज से पहले कटौतीकर्ता की मृत्यु होने पर उच्च टीडीएस और टीसीएस से दी राहत

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड सीबीडीटी ने पैन–आधार को लिंक करने से पहले कटौतीकर्ता, संग्रहकर्ता की मृत्यु की स्थिति में टीडीएस और टीसीएस के प्रावधानों में ढील प्रदान की है। सीबीडीटी ने धारा 206एए और 206सीसी के तहत उच्च टीडीएस, टीसीएस दरों से करदाताओं को ये राहत दी है। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि करदाताओं के वास्तविक कठिनाइयों को देखते हुए सीबीडीटी ने 5 अगस्त, 2024 को जारी परिपत्र संख्या 8/2024 के तहत ये राहत दी है। सीबीडीटी ने पैन–आधार लिंक करने से पहले करदाता/संग्रहकर्ता की मृत्यु की स्थिति में आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार टीडीएस–टीसीएस के प्रावधानों में छूट दी है। मंत्रालय ने बताया कि सीबीडीटी ने दिनांक 23 अप्रैल, 2024 को परिपत्र संख्या 06/2024 जारी किया था, जिसके तहत 31 मार्च, 2024 तक किए गए लेन–देन के लिए पैन–आधार को लिंक करने के लिए करदाताओं को 31 मई, 2024 तक का अवसर प्रदान किया, ताकि आयकर अधिनियम की धारा 206एए1206सीसी के तहत कर की उच्च कटौती/संग्रह से बचा जा सके। आयकर अधिनियम की धारा 206एए/206सीसी में कटौतीकर्ता/संग्रहकर्ता को पैन प्रस्तुत करने का प्रावधान किया गया है। ऐसा न करने पर उच्च दरों पर टीडीएस/टीसीएस लगाने का प्रावधान है। इन धाराओं में ये भी प्रावधान है कि यदि प्रस्तुत किया गया पैन अमान्य है, तो इसे पैन प्रस्तुत न करने के बराबर माना जाएगा।

संदूर मैंगनीज एंड आयरन ओर्स ने नए सीईओ और सीओओ किया नियुक्त

नई दिल्ली। खनन कंपनी संदूर मैंगनीज एंड आयरन ओर्स लिमिटेड (एसएमआईओआरई) कंपनी ने कृष्णेंदु सान्याल को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और मंजूनाथ प्रभु को मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त किया है। कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि कृष्णेंदु सान्याल को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और मंजूनाथ प्रभु को मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के रूप में नियुक्त की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इनकी नियुक्ति का उद्देश्य कंपनी के प्रबंधन बैंडविड्थ को बढ़ाना और धातु और खनन उद्योग में एकीकरण और स्थिरता के लिए अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं को आगे बढ़ाना है। संदूर मैंगनीज के मुताबिक नवनियुक्त सीईओ कृष्णेंदु सान्याल का रणनीतिक, वित्तीय और परिचालन के क्षेत्र में 32 वर्षों का अनुभव हैं। उनका करियर भारत और श्रीलंका में टाटा स्टील, थाईलैंड में सियाम इंडस्ट्रियल वायर कंपनी और दक्षिण अफ्रीका में सेडिबेंग आयरन ओर जैसी प्रमुख कंपनियों में रहा है। कृष्णेंदु के पास मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री है। उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से टाटा ग्रुप स्ट्रैटेजिक लीडरशिप प्रोग्राम में भी भाग लिया है।

हीरा उद्योग में दिखा मंदी का असर, वेतन कटौती के साथ कर्मचारी छुट्टी पर भेजे

सूरत। सूरत के हीरा उद्योग में इन दिनों मंदी का संकट छाया हुआ है। अगर कुछ महीनों में हालात नहीं सुधरे तो वर्ष 2008 जैसी बड़ी मंदी आ सकती है, जिसमें बड़ी संख्या में हीरा कारीगरों ने आत्महत्या कर ली थी। यह हालात विश्व में दो–दो युद्ध, वैश्विक बाजार में मांग में गिरावट और लैबग्रोन डायमंड का ओवर प्रोडक्शन की वजह से पैदा हुए हैं। फिलहाल सूरत के हीरा उद्योग से जुड़े व्यवसायी हीरा कारीगरों की वेतन कटौती, मिनी वैकेशन आदि विकल्पों से व्यावसाय में बने रहने की चुनौती झेल रहे हैं। हीरा उद्योग में इन दिनों कर्मचारी खराब आर्थिक हालात से गुजर रहे हैं। उन्हें या तो मिनी वैकेशन के नाम पर छुट्टी पर भेज दिया गया है या फिर उन्हें कम वेतन पर काम पर रखा गया है। जानकारी के अनुसार कुछ बड़े हीरा उद्यमियों ने अपने कारखानों को आगामी 10 दिनों तक बंद रखने की घोषणा की है। सूरत में किरण जेम्स हीरा उद्योग की सबसे बड़ी यूनिट मानी जाती है। इसे विश्व की भी सबसे बड़ी नेचुरल डायमंड मैन्युफैक्चर कंपनी बताया जाता है। किरण जेम्स के अध्यक्ष वल्लभभाई लखानी के अनुसार उन्होंने अपने 50 हजार कर्मचारियों के लिए 10 दिन की छुट्टी घोषित की है। इन कर्मचारियों के वेतन में कुछ राशि काट ली जाएगी लेकिन सभी कर्मचारियों को उक्त समायावधि का वेतन दिया जाएगा।

3 दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स और निफ्टी में दिखी तेजी

निवेशकों ने 9.18 लाख करोड़ कमाए सेंसेक्स इंट्रा–डे में 1,046 अंक उछला

नई दिल्ली। लगातार तीन दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को चौतरफा खरीदारी होती नजर आई। कारोबार की शुरुआत शानदार मजबूती के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में मुनाफा वसूली की वजह से इसकी चाल में कुछ गिरावट भी आई लेकिन दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर शेयर बाजार की चाल को दोबारा तेज कर दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.11 प्रतिशत और निफ्टी 1.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

बुधवार को दिनभर कारोबार के दौरान बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। मीडिया, मेटल, ऑयल एंड गैस, फार्मास्यूटिकल, टेलीकॉम, पावर और कैपिटल गुड्स इंडेक्स में तेजी के कारण 2 से 3 प्रतिशत तक की मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.39 प्रतिशत उछल कर कारोबार का अंत किया।

बुधवार को बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 448.77 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन

439.59 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 9.18 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

बुधवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,031 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,988 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 945 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 98 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में बुधवार को 2,357 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,967 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 390 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 42 शेयर हरे निशान में और 8 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स बुधवार को 972.33 अंक उछल कर 79,565.40 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार–चढ़ाव होता रहा। बिकवाली का दबाव बनने पर सेंसेक्स लुढ़क कर 79,106.20 अंक के स्तर तक पहुंचा, वहीं खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक ने 1,046.13 अंक की बढ़त के साथ 79,639.20 अंक तक पहुंचने में सफलता भी पायी। बाजार में मुनाफा वसूली होने के बावजूद अच्छी बात ये रही कि ये सूचकांक लगातार 79 हजार अंक के ऊपर ही बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 874.94 अंक की तेजी के साथ 79,468.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 296.85 अंक की छलांग लगा कर 24,289.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 345.15 अंक की मजबूती के साथ 24,337.70 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 24,184.90 तक लुढ़क भी गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी ने 304.95 अंक की मजबूती के साथ 24,297.50 अंक के स्तर पर कारोबार का अंत किया।

दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी 7.51 प्रतिशत, कोल इंडिया 6.39 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइज 3.69 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 3.33 प्रतिशत और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 3.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ बुधवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर इंडसइंड बैंक 2.60 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 1.22 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 0.66 प्रतिशत, ब्रिटानिया 0.30 प्रतिशत और टाइटन कंपनी 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

रिलायंस ने 1.86 लाख करोड़ से अधिक टैक्स का किया भुगतान

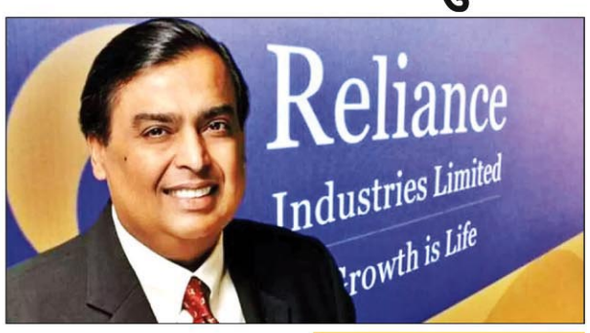

नई दिल्ली। देश के जाने–माने उद्योगपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वित्त वर्ष 2023–24 में कुल 1,86,440 करोड़ का टैक्स सरकार के खजाने में जमा कराया है। कंपनी की सालाना वार्षिक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है।

आरआईएल की बुधवार को जारी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार आरआईएल ने वित्त वर्ष 2023–24 में कुल 1,86,440 करोड़ का टैक्स सरकार के खजाने में जमा कराया है। ये पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। भारत की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) भी 2023–24 में 20 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जिससे रिलायंस देश की नंबर वन कंपनी बन गई है। इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यह 27 फीसदी का उछाल है।

रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023–24 में रिलायंस इंडस्ट्रीज बाजार पूंजीकरण के मामले में दुनिया की 48वीं कंपनी है। वहीं, कंपनी ने कंसोलिडेटेड रेवेन्यू में भी 10 लाख करोड़ के मुकाम को पार कर लिया है। पिछले वित्त वर्ष में रिलायंस ने लगभग 3 लाख करोड़ रुपये का निर्यात किया। वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस ने बीते वित्त वर्ष 2023–24 में एक लाख 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है।

अंबानी बोले-रिलायंस का बही-खाता मजबूत वृद्धि के अगले स्तर के लिए तैयार

समाज के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए कंपनी ने वित्त वर्ष 2023–24 में सामाजिक जिम्मेदारी मद में कुल 1,592 करोड़ रुपये खर्च किए। इससे पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले यह 300 करोड़ रुपये अधिक हैं। चेयरमैन मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में शुद्ध–शून्य उत्सर्जन से लेकर ट्रू 5जी नेटवर्क और खुदरा कारोबार से जुड़ी योजनाओं की रूपरेखा भी पेश की है।

आरआईएल चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (एमडी) मुकेश अंबानी ने वार्षिक रिपोर्ट में जारी बयान में कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत का महत्व बढ़ गया है। अंबानी ने कहा कि अस्थिरता और अनिश्चितता भरे दुनिया में भारत स्थिरता और समृद्धि के प्रतीक के रूप में चमक रहा है। रिलायंस परिवार के लिए भारत के विकास का हिस्सा बनना गर्व की बात है।

मुकेश अंबानी ने कहा कि पूंजीगत व्यय के पिछले दौर के बाद कंपनी ने अपने बही–खाते को मजबूत किया है। अब वह वृद्धि के अगले स्तर के लिए तैयार है।

अमेरिका मार्केट की गिरावट पर ब्रेक, एशियाई बाजारों में चौतरफा खरीदारी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से बुधवार को पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में लगातार तीन दिन से जारी गिरावट पिछले सत्र के दौरान थमती हुई नजर आई। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मजबूत कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई बिकवाली की वजह से मिले–जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी चौतरफा खरीदारी होती नजर आ रही है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तीन दिन की गिरावट पर रोक लगने के बाद उत्साह का माहौल नजर आया। डाउ जॉन्स पिछले सत्र के दौरान 294 अंक की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,240.03 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 166.57 अंक यानी 1.03 प्रतिशत उछल कर 16,366.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल

264.74 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 39,262.40 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। हालांकि आखिरी घंटे में हुई मुनाफा वसूली के कारण बाजार के सूचकांक मिले–जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,026.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,354.32 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,130.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एक्सपर्ट्स को ब्याज दरों में बदलाव की संभावना नहीं, आरबीआई आज करेगा फैसले का ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) एक बार फिर ब्याज दरों को बिना किसी बदलाव के यथावत जारी रखने का फैसला ले सकती है। एमपीसी की बैठक मंगलवार, 6 अगस्त को शुरू हुई थी और गुरुवार, 8 अगस्त को समिति की बैठक में लिए गए फैसलों का खुलासा किया जाएगा। जानकारों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले कुछ दिनों से जारी उथल–पुथल के बावजूद एक बार फिर मौद्रिक नीति समिति ब्याज दरों में किसी भी तरह का बदलाव नहीं करने का फैसला कर सकती है।

धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी के मुताबिक इन्फ्लेशन फिलहाल अपने कंफर्ट जोन से ऊपर बना हुआ है। ऐसी स्थिति में वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था में उतार–चढ़ाव होने के बावजूद ब्याज दरों में किसी भी तरह का बदलाव होने की संभावना काफी कम है। इसी तरह सरस्वती फाइनेंस एंड इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इकोनॉमिस्ट

पीएन मल्होत्रा का मानना है कि फिलहाल हेडलाइन इन्फ्लेशन 4 प्रतिशत से ऊपर बना हुआ है। इसके साथ ही कमोडिटी की कीमत, विशेष रूप से क्रूड ऑयल में वैश्विक स्तर पर आई गिरावट से ब्याज दर तय करने वाली मौद्रिक नीति समिति को अपना फैसला लेने में काफी सहायता मिल सकती है।

दूसरी ओर आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर सूजॉन हाजरा का कहना है कि अमेरिका में लेबर मार्केट की खराब स्थिति के बीच ब्याज दरों को स्थिर रखने के लिए अमेरिकन फेडेरल रिजर्व ने जो फैसला लिया है, उससे मंदी की आशंका बन गई है। इसका असर दुनियाभर के स्टॉक मार्केट से लेकर मनी मार्केट तक पड़ा है। ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति उन पहलुओं पर भी विचार करेगी, जिनसे देश की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने की कोई भी संभावना नजर आती हो। हाजरा का मानना है कि यूरोपीय बाजार और चीन के ग्रोथ में आई गिरावट के कारण भारतीय रिजर्व बैंक ग्रोथ से जुड़ी आशंकाओं को पूरी तरह से खारिज नहीं कर सकता है। ऐसी स्थिति में बाजार को मंदी की चपेट में आने से बचाने के लिए रिजर्व बैंक को ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। हालांकि उनका ये भी मानना है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति महंगाई की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस बार ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने का फैसला ले सकती है लेकिन देश की अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाए रखने के लिए जल्दी ही ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला लेना पड़ेगा।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री व्यापार शिखर सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर बोले

बिम्सटेक मुक्त व्यापार समझौते पर तेजी से वार्ता करने की जरूरत

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि बिम्सटेक सदस्यों को व्यापार वार्ता के संबंध में सदस्य देशों की प्राथमिकताओं की फिर से जांच करनी चाहिए, ताकि विलंबित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिया जा सके।

गोयल ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के साथ साझेदारी में आयोजित बहु–क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) व्यापार शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि बिम्सटेक का सामूहिक रूप से भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल ने कहा कि बिम्सटेक एफटीए की वास्तविक संभावनाओं की जांच करने के

लिए सभी सदस्य देशों के व्यापारिक समुदायों की सिफारिशों की प्रतीक्षा है। उन्होंने कहा कि सदस्य देशों, व्यापार जगत के नेताओं को प्रस्तावित एफटीए के संबंध में प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सदस्यों को ऐसी ठोस सिफारिशें करने की आवश्यकता है, जो सभी सात देशों को स्वीकार्य हों।

बिम्सटेक देश आपूर्ति श्रृंखलाओं, ई–कॉमर्स, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और खाद्य सुरक्षा में साझेदारी पर ध्यान केंद्रित करेंगे। गोयल ने बांग्लादेश में घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की और सुचारु सत्ता परिवर्तन की उम्मीद जताई। उन्होंने बिम्सटेक सदस्यों से मौजूदा व्यापारिक संबंधों पर आत्मनिरीक्षण करने का आह्वान करते हुए कहा कि बिम्सटेक देशों के बीच व्यापार छोटा है। इसकी पूरी क्षमता हासिल करने से पहले हमें एक लंबा रास्ता तय करना है। उल्लेखनीय है कि यह एक क्षेत्रीय बहुपक्षीय संगठन है। बंगाल की खाड़ी के तटवर्ती और समीपवर्ती क्षेत्रों में स्थित इसके सदस्य हैं, जो क्षेत्रीय एकता का प्रतीक हैं। इसके 7 सदस्यों में से 5 दक्षिण एशिया से हैं, जिनमें बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल और श्रीलंका शामिल हैं, जबकि अन्य दो सदस्य म्यांमार और थाईलैंड दक्षिण–पूर्व एशिया से हैं।

पान मसाला मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों पर लगेगा 1 लाख का जुर्माना

मोदी सरकार ने पान मसाला और अन्य तंबाकू उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों पर अपनी मशीन का रजिस्ट्रेशन न कराने पर एक अक्टूबर से एक लाख रुपए तक का जुर्माना लगाने का ऐलान किया है। यह जुर्माना उन कंपनियों पर लगाया जाएगा जो अपनी पैकिंग मशीनरी को जीएसटी प्राधिकरणों के पास रजिस्टर्ड नहीं कराती हैं। जीएसटी नेटवर्क ने मई और जून में इसतरह के विनिर्माताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली मशीनों के पंजीकरण और खरीदे गए कच्चे माल तथा उत्पादन की रिपोर्ट प्राधिकरणों के पास भेजने के लिए दो फॉर्म, जीएसटी एसआरएम–वन और दो, नोटिफाई किए थे। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बताया कि जीएसटी अधिकारियों के पास अपनी पैकिंग मशीन को पंजीकृत न कराने पर एक अक्टूबर 2024 से एक लाख रुपए तक का जुर्माना लगेगा। सीबीआईसी ने जनवरी में पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के विनिर्माताओं के लिए जीएसटी अनुपालन में सुधार के वास्ते एक अप्रैल से एक नई पंजीकरण तथा मासिक रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की थी।

पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतकर स्वदेश लौटीं मनु भाकर, हुआ जोरदार स्वागत

नई दिल्ली

भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर पेरिस ओलंपिक 2024 में दो पदक जीतने के बाद बुधवार को स्वदेश लौट आई हैं। उनका दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत हुआ।

ढोल-नगाड़ों के साथ मनु भाकर व उनके कोच जसपाल राणा का लोगों ने भव्य स्वागत किया और दोनों को फूल-मालाओं में लाद दिया। लोग मनु भाकर के साथ सेल्फी ले रहे थे। भव्य स्वागत पर मनु भाकर बहुत खुश दिख रही थीं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह बहुत खुश हैं। लोगों का इतना प्यार मिल रहा है।

उल्लेखनीय है कि 22 वर्षीय मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश का पेरिस ओलंपिक में खाता खोला था। इसके बाद उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर कांस्य पदक जीता।

इससे वह एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली भारतीय बन गईं। इसके बाद उनके पास तीसरा ओलंपिक पदक जीतकर एकमात्र भारतीय बनने का इतिहास रचने का मौका था, लेकिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में वह मामूली अंतर से चूक गईं थीं और चौथे स्थान पर रही थीं।

न्यूज ब्रीफ

भारत, यूएई और श्रीलंका में हो सकता है अगला महिला टी20 विश्वकप : आईसीसी

दुबई। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद खराब होते हुए हालातों के बीच ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अब अगले साल होने वाले टी-20 महिला विश्वकप का आयोजन वैकल्पिक स्थल पर हो सकता है। आईसीसी के अनुसार इसके लिए भारत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और श्रीलंका के नाम तय किये गये हैं। आईसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा और वहां के खराब होते हुए माहौल पर नजर रखी जा रही हैं। वहीं आईसीसी की ओर से एक बयान में कहा गया, 'आईसीसी, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) उनकी सुरक्षा एजेंसियों और हमारे अपने स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकारों के साथ इस पूरी स्थिति पर नजर बनाये हुये है। हमारी प्राथमिकताओं सभी टीमों की सुरक्षा और देखभाल को लेकर है। बयान में कहा गया है कि बंगलादेश में वहां की राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए इस बात की भी संभावना है कि इस वैश्विक टूर्नामेंट को किसी और देश में आयोजित कराया जाए। साथ ही कहा कि इस तरह के हालातों से निपटने के लिए आईसीसी ने भारत, यूएई और श्रीलंका को वैकल्पिक स्थल के रूप में तय किया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दस टीमों का महिला टूर्नामेंट तीन से 20अक्टूबर तक आयोजित होने वाला है।

लगातार दूसरे स्वर्ण पदक के लिए उतरेंगे नीरज चोपड़ा, नदीम से चुनौती

पेरिस। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा गुरुवार की रात ओलंपिक में लगातार दूसरे स्वर्ण पदक के लिए उतरेंगे। नीरज ने क्वालिफिकेशन में दमदार प्रदर्शन किया था और पहले ही प्रयास में 89.34 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया था। नीरज ने टोक्यो ओलंपिक की तरह यहां भी कुछ सेकेंड में फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया था लेकिन इस बार पिछले ओलंपिक की तुलना में चुनौती अधिक कड़ी है। कुल नौ खिलाड़ियों में से पांच ने नीरज की तरह अपने पहले थ्रो में ही फाइनल में जगह बना ली थी। भारत का यह 26 वर्षीय खिलाड़ी इस बात को अच्छी तरह से समझता है क्योंकि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले आठ वर्षों से चुनौती पेश कर रहे हैं। वह इसके बाद तुरंत ही खेल गांव लौट गए ताकि फाइनल से पहले पर्याप्त विश्राम कर सकें क्योंकि काफी कुछ दांव पर लगा है। नीरज फाइनल में ओलंपिक के इतिहास में खिताब बरकरार रखने वाले पांचवां पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी बनने के इरादे से उतरेंगे। अगर वह खिताब जीतते हैं तो ओलंपिक व्यक्तिगत वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय भी बनेंगे। ओलंपिक की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में अभी तक एरिक लेमिंग (स्वीडन, 1908 और 1912), जोन्नी माइरा (फिनलैंड, 1920 और 1924), चोपड़ा के आदर्श जान जेलेंजी (चेक गणराज्य, 1992 और 1996) और आंद्रियास टी (नॉर्वे, 2004 और 2008) की ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव कर पाए हैं।

आरसीबी जा सकते हैं राहुल

मुम्बई। आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल अगले सत्र में किसी और टीम से खेलते हुए दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि राहुल और लखनऊ सुपर जायंट्स प्रबंधन में मतभेद गहरा गये हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सत्र में जिस प्रकार से फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका भड़के थे उससे राहुल नाराज हैं हालांकि इस बहस के बाद गोयनका ने राहुल को खाने पर बुलाया था और उनके बीच अच्छी बातचीत हुई थी। तब लगा था कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक है पर ये बात गलत निकली। राहुल 2022 में टीम से जुड़े थे और तब से उन्होंने टीम को हर बार प्लेऑफ में पहुंचाया पर टीम । टूर्नामेंट के नॉकआउट स्तर तक नहीं पहुंच पायी। पिछले सत्र में टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। वहीं अब एक रिपोर्ट के मुताबिक राहुल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से फिर जुड़ सकते हैं। फ्रेंचाइजी को भी एक ऐसे भारतीय खिलाड़ी की तलाश है, जो कप्तानी कर सके। आरसीबी आज तक आईपीएल नहीं जीत है। उसने विराट कोहली के बाद दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसी को भी कप्तान बनाया पर उसकी एक न चली। ऐसे में अब वह राहुल को कप्तान बनाना चाहती है।

पेरिस ओलंपिक हॉकी : भारत को सेमीफाइनल में मिली पराजय

जर्मनी फाइनल में, अब कांस्य के के लिए लड़ेगी भारतीय टीम

पेरिस।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 44 साल बाद अपने पहले ओलंपिक फाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच गई थी, लेकिन विश्व चैंपियन जर्मनी ने मंगलवार को पेरिस में कड़े सेमीफाइनल में 3-2 से जीत दर्ज करके उसे रोक दिया।

तीन साल पहले टोक्यो में जीते गए अपने पदक के रंग को बेहतर करने के उद्देश्य से, भारत ने अधिक अवसर बनाए लेकिन जर्मनों ने अपने सीमित अवसरों का फायदा उठाया और टोक्यो खेलों की कांस्य प्ले-ऑफ हार का बदला लिया।

भारत को 11 पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन केवल दो को ही गोल में बदला जबकि जर्मनी ने एक पेनल्टी स्ट्रोक और एक फील्ड गोल के अलावा चार में से एक को गोल में तब्दील किया। भारत के पास अभी भी अपना लगातार दूसरा ओलंपिक पदक जीतने का मौका है जब वे गुरुवार को स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक के लिए खेलेंगे, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड स्वर्ण पदक प्रतियोगिता में आमने-सामने होंगे।

आखिरी बार भारत ने लगातार 1968 और 1972 में ओलंपिक पदक जीते थे। भारत ने पहले क्वार्टर में बेहतर पकड़ का आनंद लिया, सात पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन केवल एक को ही परिवर्तित कर सका। धीरे-धीरे जर्मनों ने गति पकड़ ली। भारत ने टोक्यो खेलों के कांस्य प्ले-ऑफ में जर्मनी को हराकर ओलंपिक पदक के लिए 41 साल का इंतजार खत्म किया था। आखिरी बार भारतीय हॉकी टीम 1980 के मास्को खेलों में ओलंपिक खेलों के फाइनल में पहुंची थी।

लाइन-अप में प्रमुख डिफेंडर अमित रोहिदास के नहीं होने के बावजूद, भारतीय टीम ने कड़ा संघर्ष किया और कभी भी लड़खड़ाते या दबाव के आगे झुकते हुए नहीं दिखे। भारत के लिए हरमनप्रीत (सातवें) और सुखजीत (36वें) ने गोल किए, जबकि गोंजालो पेइलाट (18वें) क्रिस्टोफर रूहर (27वें) और मार्को मिटकाउ (54वें) ने विजेताओं के लिए गोल किया।

हार्दिक ने बायीं ओर से सर्कल में प्रवेश किया और कुछ ही समय में एक जर्मन डिफेंडर के पैर पर गेंद मारकर पेनल्टी कॉर्नर बनाया लेकिन जीन-पॉल डैन्सबर्ग ने हरमनप्रीत के प्रयास को रोक दिया। हालाँकि, हार्दिक ने एक और मौका अर्जित करने के लिए रिबाउंड गेंद को इकट्ठा किया लेकिन जर्मन कस्टोडियन जीन-पॉल डेननरबर्ग ने फिर से बचा लिया। हरमनप्रीत की एक लंबी हिट एक जर्मन डिफेंडर के पैर को छू गई, जिसके परिणामस्वरूप भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह भी व्यर्थ चला गया। भारत ने आक्रमण जारी रखा, तीन और मौके मिले और अंततः छठे मौके पर पहुंच गया। हरमनप्रीत ने अपना शॉट लगाया जो मार्टिन जविकर से टकराकर गोल पोस्ट में चला गया। इसके बाद जरमनप्रीत सिंह ने एक जर्मन खिलाड़ी के स्कूप को रोकने के लिए अपनी स्टिक हवा में उठाई, जिसके परिणामस्वरूप दूसरे क्वार्टर में खतरनाक खेल के लिए पेनल्टी कॉर्नर मिला। और जर्मनी ने पेनल्टी कॉर्नर से पेइलैट के सटीक प्रहार के माध्यम से बढ़त को बेअसर कर दिया। पास मिलने के तुरंत बाद, सुमित ने बाईं ओर से एक शानदार दौड़ लगाई, लेकिन दो जर्मन रक्षकों ने उसे रोक दिया। ललित उपाध्याय के पास भी अभिषेक से गेंद पाकर भारत की बढ़त दोगुनी करने का मौका था, लेकिन वह बार के ऊपर से गेंद मार बैठे। भारत ने आक्रमण जारी रखा क्योंकि मनदीप सिंह ने पिच के केंद्र से गेंद लेकर उड़ान भरी और स्ट्राइकिंग सर्कल के अंदर गुरजंत सिंह को पास किया लेकिन उन्होंने गेंद पर कब्ज़ा खो दिया। जर्मनों ने पेनल्टी कॉर्नर मिलने पर मौका नहीं गंवाया, जिसे पेनल्टी स्ट्रोक में बदल दिया गया क्योंकि गोल की ओर गई गेंद जरमनप्रीत के पैर को छू गई। और रुएहर ने श्रीजेश की रक्षापंक्ति को पार करने में कोई गलती नहीं की और अपनी दाहिनी ओर से एक फायर किया।

भारत को स्कोर बराबर करने का मौका मिला लेकिन उसने दो और पेनल्टी कॉर्नर गंवा दिये। हरमनप्रीत के शॉट को डैनरबर्ग ने अपने बाएं हाथ से रोक दिया और हार्दिक ने रिबाउंड को वाइड मार दिया।

भारत को 10वां पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह असफल रहा। स्कोर बराबर करने वाला गोल आखिरकार सुखजीत की स्टिक से हुआ, जिन्होंने टीम के 11वें पेनल्टी कॉर्नर से हरमनप्रीत की ड्रैगफ्लिक को डिफलेक्ट कर दिया। जर्मनी को चौथे क्वार्टर की शुरुआत में तीसरे पेनल्टी कॉर्नर से आगे बढ़ने का मौका मिला जब हरमनप्रीत ने प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को रोका।

लेकिन श्रीजेश ने मौका बचा लिया, रिबाउंड गेंद फिर से भारतीय पोस्ट की ओर फेंकी गई लेकिन रुहर के बायीं ओर से लगाए गए शॉट को संजय ने बचा लिया। जर्मनों को अगले मौके का इंतजार नहीं करना पड़ा लेकिन भारत की मजबूत रक्षा ने खतरे को टाल दिया।

हालांकि, श्रीजेश की रक्षा पंक्ति में तब सेंध लग गई जब मिल्टकाऊ ने पेइलाट के पास को दाईं ओर से डिफ्लेक्ट कर दिया। भारत ने बराबरी करने के कई प्रयास किए और यहां तक कि एक और खिलाड़ी को गेंद देने के लिए श्रीजेश को मैदान से बाहर भी ले जाया गया, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

जेंडर विवाद को लेकर छायी रही अल्जीरियाई मुक्केबाज ईमान फाइनल में पहुंची

पेरिस।

पेरिस ओलंपिक 2024 में जेंडर विवाद में फंसी अल्जीरियाई मुक्केबाज ईमान खलीफा फाइनल में पहुंच गयी है। ईमान ने पेरिस ओलंपिक में 66 किलो भारवर्ग के फाइनल में जगह बनायी है। ईमान ने सेमीफाइनल मुकाबले में थाईलैंड की जनजेम सुवानाफेंग को 5-0 से हराया। ईमान को लेकर विवाद इटली की एंजेला कैरिनी के साथ हुए पहले ही मुकाबले में उठा था। तक उसने विरोधी मुक्केबाज को केवल 46 सेकंड में ही हरा दिया था।

इस टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में जब ईमान इटली की मुक्केबाज एंजेला कैरिनी के खिलाफ खेलने उतरी थी तो जोरदार पंच पड़ने के बाद विरोधी की नाक टूट गई। ईनाम के मुक्के के बाद कैरिनी मैच से हट गयीं थीं। तभी से जेंडर विवाद गहराया था और उसे महिला वर्ग में उतारने पर सवाल उठे थे। इटली की मुक्केबाज कैरिनी ने मैच में चोटिल होने के बाद कहा था कि उसका पहला ही प्रहार ऐसा था जैसे उन्हें पूरे जीवन में नहीं लगा। इसके बाद सोशल मीडिया पर खलीफा का जमकर विरोध हुआ। इसका कारण है कि ईमान एक ट्रांसजेडर और उन्हें साल 2023 विश्व चैम्पियनशिप में जेंडर मानको में खरे नहीं उतरने के कारण बाहर कर दिया गया था।

पेरिस ओलंपिक की पदक तालिका में नंबर एक पर कायम है अमेरिका, भारत 63वें स्थान पर खिसका

पेरिस । पेरिस ओलंपिक में अमेरिका अभी भी सबसे ज्यादा स्वर्ण के साथ ही नंबर एक पर बना हुआ है। अमेरिका के 24 स्वर्ण, 31 रजत और 31 कांस्य पदकों के साथ ही कुल 86 पदक हो गये हैं। वहीं चीन 22 स्वर्ण, 21 रजत और 16 कांस्य पदकों के साथ ही 59 पदक लेकर दूसरे स्थान पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया 14 स्वर्ण , 12 रजत और 9 कांस्य के साथ ही कुल 35 लेकर तीसरे स्थान पर है जबकि मेजबान फ्रांस 13 स्वर्ण, 16 रजत और 19 कांस्य के साथ ही कुल 48 पदकों के साथ चौथे स्थान पर फिसल गया है। इसके अलावा ब्रिटेन 12 स्वर्ण, 15 रजत और 19 कांस्य सहित कुल 46 पदक जीतकर पांचवें स्थान पर है। भारत अब तक केवल 3 कांस्य पदक के साथ ही 63वें स्थान पर बना हुआ है।

श्रीलंका 110 रनों से जीता, मैच के साथ सीरीज भी हारा भारत

कोलंबो।

श्रीलंका के खिलाफ 3 एक दिवसीय क्रिकेट मैचों की सीरीज के आखिरी वनडे में श्रीलंका ने भारत को 110 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही श्रीलंका ने सीरीज पर 2-0 से कब्जा कर लिया। पहला मुकाबला टाई छूटा था। 249 रनों का पीछा करते हुए भारत से रोहित शर्मा ने 35, वॉशिंगटन सुंदर ने 30, विराट कोहली ने 20 और रियान पराग ने 15 रन बनाए। श्रीलंका से दुनिथ वेल्लालागे ने 5 विकेट लिए। जेफरी वांडरसे और महीश तीक्षणा को 2-2 विकेट मिले।

पहली पारी में श्रीलंका ने भारत के सामने 249 रनों का लक्ष्य रखा। पिछले दो मैचों के मुकाबले इस बार श्रीलंकाई ओपनरों ने अपनी टीम को अच्छी शुरुआत देते हुए पहले विकेट के लिए 89 रन जोड़े। जहां पथुम निसानका (45) अर्द्धशतक से चूके तो अविष्का फर्नांडो (96) के हाथ से चार रन से ही शतक फिसल गया। इनके आउट होने के बाद एक छोर पर पुछल्लों के कुछ विकेट गिरने के बीच कुसल मेंडिस ने 59 रन की उपयोगी पारी खेली। निचले क्रम में कमिंडु मेंडिस (23) ने भी हाथ दिखाए, तो श्रीलंका 7 विकेट र 248 रनों तक पहुंचने में सफल रहा। आखिरी वन डे में अर्शदीप की जगह अपने वनडे करियर की शुरुआत करने वाले रियान पराग ने तीन विकेट लिए, जबकि सिराज, पटेल, सुंदर और कुलदीप को एक-एक विकेट मिला।

निराशा : महिला टेबल टेनिस टीम का खत्म हुआ सफर, जर्मनी के हाथों मिली पराजय

पेरिस।

भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम का पेरिस ओलंपिक 2024 में सफर समाप्त हो गया है। मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ की भारतीय महिला टीम को बुधवार को टेबल टेनिस वुमेन्स टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जर्मनी से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम के पास मौका था कि वो सेमीफाइनल के लिए प्रवेश कर सकें लेकिन वो जर्मनी से मिली हार के बाद पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गई।

मुकाबले की बात करें तो दोनों टीमों के बीच पहला मैच युगल का खेला गया। युगल मैच में भारत की श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ की जोड़ी को जर्मनी की युआन वान और जिओना शान की जोड़ी से 5-11, 11-8, 10-12, 6-11 से हार झेलनी पड़ी। दूसरा मैच एकल का खेला गया। एकल मैच में भारत की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा और जर्मनी की कॉफमैन एनेट के बीच खेला गया। एकल मैच में मनिका बत्रा ने पहला गेम तो जीता लेकिन अगले तीन गेम नहीं जीत सकीं और मैच 11-8, 5-11, 7-11, 5-11 से हार गईं। इससे जर्मनी की टीम ने 2-0 से बढ़त बना ली।

इसके बाद अर्चना कामथ ने भारतीय टीम को

उम्मीद की किरण दिखाई। तीसरा मैच अर्चना कामथ और जर्मनी की जओना शान के बीच खेला गया। कामथ ने यह मैच 19-17, 1-11, 11-5, 11-9 से जीता। चौथा मैच भारत की ओर से श्रीजा अकुला और जर्मनी की ओर से कॉफमैन एनेट खेलने आईं। इस मैच को अकुला 6-11, 7-11, 7-11 से हार गईं। इस तरह जर्मनी ने 1-3 से जीत दर्ज कर ली।

पेरिस ओलंपिक में महिला पहलवान अंतिम पंघाल का सफर समाप्त

भारतीय महिला पहलवान अंतिम पंघाल का पेरिस ओलंपिक 2024 में सफर समाप्त हो गया है। पंघाल पेरिस ओलंपिक में अपना पहला ही मैच हार गईं। अंतिम पंघाल को महिला कुश्ती के 53 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में तुर्की की पहलवान जेनिप येतगिल से 10-0 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय रेसलर इस मुकाबले में कभी भी तुर्की की खिलाड़ी पर दबाव नहीं बना सकीं। जेनिप येतगिल ने पूरे मैच में दबाव बनाए रखा और 10-0 की बढ़त लेकर तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मैच जीत लिया। उधर, तुर्की पहलवान जेनिप येतगिल क्वार्टर फाइनल में जर्मनी की अनिका वेंडल से हार गईं। इसके परिणामस्वरूप, अंतिम पंघाल रेपेचेज राउंड में हिस्सा नहीं लेने की उम्मीदें भी खत्म हो गईं और उनका पेरिस 2024 अभियान समाप्त हो गया।

राज्य स्तरीय ताइक्कांडो स्पर्धा में मुरादाबाद ने जीते 2 स्वर्ण व 6 कांस्य पदक

मुरादाबाद।

मुरादाबाद ताइक्कांडो एसोसिएशन के सचिव व हेड कोच ने तकी इमाम ने बताया कि कानपुर में आयोजित हुईं राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में मुरादाबाद जिले से 28 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर 2 स्वर्ण और 6 कांस्य पदक जीतकर अपने नाम कर मुरादाबाद का नाम रोशन किया।

मुरादाबाद ताइक्कांडो एसोसिएशन के सचिव व हेड कोच ने तकी इमाम ने बताया बुधवार को मुरादाबाद लौटे सभी खिलाड़ियों का रेलवे स्टेशन पर स्वागत अभिनंदन किया गया। 2 अगस्त से 5 अगस्त को उत्तर प्रदेश ताइक्कांडो द्वारा इंडिया ताइक्कांडों के तत्वाधान में राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता का आयोजन कानपुर में किया गया, जिसमें मुरादाबाद जिले से 28 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था। इस प्रतियोगिता में शिशु वाटिका ताइक्कांडो एकेडमी से भानू शर्मा और शिवानी पाल ने स्वर्ण पदक, दिव्यांशी, प्रिय लोधी, लवकुश ने कांस्य पदक हासिल किया। खान ताइक्कांडो एकेड्मी से जोहान अली ने और मीर हाशमी ने कांस्य पदक हासिल किया। मुस्तफा ताइक्कांडो एकेडमी से जैनृ अब्दुल्लाह ने कांस्य पदक हासिल किया। स्वर्ण पदक विजेता भानू शर्मा और शिवानी पाल का चयन नेशनल ताइक्कांडो चैपियनशिप के लिए किया गया है। नेशनल ताइक्कांडो चैपियनशिप 15 व 16 अगस्त को कानपुर में इंडिया ताइक्कांडो द्वारा आयोजित की जाएगी।

हाकी : नार्दर्न रेलवे ने केडी सिंह सोसाइटी को 3-0 से हराया

लखनऊ। हाकी लीग सीनियर मेन चैंपियनशिप में बुधवार को दो मैच खेले गये। पहले मैच में नार्दर्न रेलवे ने के.डी. सिंह बाबू सोसाइटी को 3-0 से हरा दिया। वहीं दूसरे मैच में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कालेज ने आर्मी इंजीनियर्स को 5-1 से मात देकर बढ़त बना ली। पहले मैच में नार्दर्न रेलवे और के.डी सिंह के बीच 15 मिनट तक कांटे का टक्कर चलता रहा। कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। 16वें मिनट में नार्दर्न रेलवे की टीम ने पहला गोल कर बढ़त बना ली। इसके बाद दूसरे हाफ में ही 28वें मिनट में एक गोल और दागकर नार्दर्न रेलवे की टीम आगे निकल गयी। तीसरे हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। चौथे हाफ में 50वें मिनट में नार्दर्न रेलवे की टीम ने पुन एक गोल कर मैच को 3-0 से जीत लिया। वहीं दूसरे मैच में गुरु गोविंद सिंह की टीम ने पहले हाफ के 13वें मिनट में ही पहला गोल कर बढ़त बना ली। इसके बाद दूसरे हाफ में दो गोल किये, तीसरे और चौथे हाफ में एक-एक गोल किये, जबकि इंजीनियर्स आर्मी की टीम दूसरे हाफ में एक गोल कर सकी।

स्वतंत्रता दिवस वाले लॉन्ग वीकेंड के लिए बेस्ट हैं

पचमढ़ी, वैली ऑफ फ्लॉवर्स जैसी जगहें

जॉब के साथ घुमक्कड़ी का शौक पूरा करने वालों को लॉन्ग वीकेंड का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस बार 15 अगस्त गुरुवार को पड़ रहा है और उसके चार दिन बाद यानी 19 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व है। अगर आपकी शनिवार- रविवार को छुट्टी होती है, तो आप फ्राइडे यानी 16 अगस्त की छुट्टी लेकर आराम से घूमने का मजा ले सकते हैं। दिल्ली के आसपास ऐसी कई सारी जगहें हैं, जिसे घूमने के लिए दो से तीन दिन का समय काफी नहीं होता, तो ये अच्छा मौका है इन जगहों को एक्सप्लोर करने का।

दिल्ली के आसपास घूमने वाली जगहें

वैली ऑफ फ्लावर्स (उत्तराखंड): उत्तराखंड में बसे वैली ऑफ फ्लावर्स को घूमने का सबसे बेस्ट सीजन अगस्त होता है। जब यहां की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। इस महीने में यहां कई प्रजाति के फूल खिलते हैं। लोग बताते हैं कि यहां लगभग 500 तरह के फूल-पौधे मौजूद हैं। बारिश की बूंदें इनकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। इस जगह को घूमने के लिए कम से कम 5 से 6 दिन चाहिए होता है, तो आपके पास शानदार मौका है आने वाले लॉन्ग वीकेंड में बना लें यहां का प्लान।

माउंट आबू (राजस्थान) : अरावली के पहाड़ों के बीच बसा माउंट आबू राजस्थान का एकमात्र और बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। जिसका अंदाजा आपको यहां जाकर ही लगेगा। गर्मी के बाद बारिश का मौसम आते ही ये जगह और ज्यादा खूबसूरत हो जाती है। दोस्तों के साथ मौज-मस्ती के लिए ये काफी अच्छी जगह है। ट्रेकिंग, हाइकिंग के अलावा यहां और भी कई तरह के एडवेंचर मौजूद हैं।

पचमढ़ी (मध्य प्रदेश) : मध्य प्रदेश भी दिल्ली के आसपास ऐसी जगह है, जहां आप आराम से अपनी चार से पांच दिनों की छुट्टी को एन्जॉय कर सकते हैं। वैसे तो यहां घूमने वाले ठिकानों की कमी नहीं, लेकिन अगर आपने पचमढ़ी को अभी तक एक्सप्लोर नहीं किया है, तो जहां घूमने का प्लान बना सकते हैं। पचमढ़ी का सतपुड़ा की रानी भी कहा जाता है। चारों तरफ से जंगलों और पहाड़ों से घिरा हुआ ये हिल स्टेशन है रिलैक्सिंग वीकेंड के लिए बहुत ही बढ़िया जगह है।

अभिनेत्री अवनीत कौर पर ज्वैलरी ब्रांड ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया

अभिनेत्री अवनीत कौर ने बहुत कम उम्र में मनोरंजन उद्योग में अपना नाम बनाया। वह अपने लुक्स, फैशन को लेकर सोशल मीडिया पर हमेशा चर्चा में रहती हैं लेकिन अब अवनीत पर एक ज्वेलरी ब्रांड ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। अभिनेत्री और ब्रांड के बीच बातचीत के स्क्रीनशॉट भी इंटरनेट पर वायरल हो गए हैं। ज्वेलरी ब्रांड ने अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया है। उनके मुताबिक, अवनीत ने यूरोप वेकेशन के लिए उनसे जूलरी खरीदी थी। वस्तु विनिमय सहयोग के तहत तय हुआ था कि अवनीत आभूषण के बदले में पोस्ट में ब्रांड को टैग करेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ब्रांड ने पोस्ट के साथ एक स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें स्टाइलिस्ट के साथ उनकी बातचीत दिख रही है। अवनीत ने पहली पोस्ट में ब्रांड को टैग नहीं किया, लेकिन स्टाइलिस्ट ने कहा कि वह दूसरी पोस्ट में टैग करेगी। फिर भी ऐसा भी नहीं हुआ। जब ब्रांड ने ज्वेलरी वापस मांगी तो स्टाइलिस्ट ने कहा कि अवनीत आभूषण के लिए भुगतान करेंगी लेकिन अवनीत ने पैसे भी नहीं दिए और कहा कि वह स्टोरी पर क्रेडिट देंगे। इतना ही नहीं, अवनीत अक्सर यूरोप में ज्वैलरी पहनती थीं लेकिन ब्रांड का टैग नहीं लगाती थीं। ब्रांड ने पोस्ट में बताया कि हम एक्ट्रेस के बारे में सच्चाई सामने लाना चाहते थे। अवनीत ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन इसके चलते सोशल मीडिया पर नेटीजन उन्हें खूब ट्रोल कर रहे हैं।

एक्ट्रेस जैसा फेस ग्लो पाने के लिए इन हाइलाइटर्स का करें यूज, मिलेगी ग्लोइंग ग्लास स्किन

मेकअप करना हर महिला व लड़की को पसंद होता है। वहीं दमकते चेहरे के लिए हाइलाइटर का इस्तेमाल किया जाता है। हाइलाइटर के बिना मेकअप अधूरा लगता है। बता दें कि लेटेस्ट ब्यूटी ट्रेंड में हाइलाइटर काफी ज्यादा पॉपुलर है। हाइलाइटर को गालों, आंखों के किनारों और नाक के ऊपर हल्का सा हाइलाइट किया जाता है। इन दिनों हाइलाइटर में गोल्डन, ब्रॉन्ज और पिंक शेड फैशन में हैं। इनको अलग-अलग स्किन टोन के हिसाब से इस्तेमाल किया जाता है। आप चाहें तो लिक्विड या फिर पाउडर में इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में अगर आप भी किसी फंक्शन में जाने की तैयारी कर रही हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ बेस्ट हाइलाइटर के बारे में बताने जा रहे हैं।

लेकमे हाइलाइटर : यह हाइलाइटर क्रीम टू पाउडर फिनिश और केवल एक स्वाइप में आपको पर्फेक्शन देता है। इसमें विटामिन ई और जोजोबा ऑयल का इस्तेमाल किया गया है। इसको अप्लाई करने से फेस पर लाइट रिफ्लेक्टिंग शाइन पिगमेंट्स नजर आते हैं। साथ ही यह त्वचा में एंटी एजिंग इफेक्ट भी लाता है।

मेकअप रिवॉल्यूशन हाइलाइटर : यह हाइलाइटर आसानी से आपकी स्किन में ब्लेंड हो जाता है। यह आपकी त्वचा को स्मूदनेस देता है और यह लॉन्ग लास्टिंग फॉर्मूले के साथ आता है। इसको फेस पर अप्लाई करने से आपको शिमरी और सिल्की इफेक्ट मिलता है। यह आपके फेस के ऑयल को कंट्रोल कर बैलेंस्ड ग्लो देता है। इसको लगाने से त्वचा सॉफ्ट लगती है और इसमें हार्मफुल केमिकल्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

सुगर कॉस्मेटिक हाइलाइटर : यह हाइलाइटर लॉन्ग लास्टिंग और लाइटवेट इफेक्ट देने का काम करता है। यह आपके चेहरे की त्वचा को रॉयल रोज टच देता है। इसको अप्लाई करने से शिमरी फिनिस ग्लो मिलता है। बता दें कि इसको फाउंडेशन के ऊपर या फिर पहले इस्तेमाल किया जा सकता है। इस स्टिक से आप इसको आसानी से इस्तेमाल में ला सकती हैं।

लेमिओर हाइलाइटर : लेमिओर के इस इल्युमिनेटर से ग्लास स्किन वाला ग्लो मिलता है। यह आपको ड्यूवी फिनिश देने का काम करता है। यह वाटरमेलन, चैमोमाइल और नियासिनअमाइड के साथ मिलकर हाईब्रिड रोल निभाता है। इसमें हैलो शेड्स के साथ 6 और शेड्स मिलते हैं। ऐसे में आप अपनी स्किन टोन के हिसाब से इसको आसानी से चूज कर सकती हैं।

फेस कनाडा हाइलाइटर : बता दें कि फेस कनाडा हाइलाइटर में प्राइमर, मॉइश्चराइजर और हाइलाइटर का कॉम्बो पैक है। इसमें हाईऐल्युरोनिक एसिड और शिया बटर का इस्तेमाल किया गया है। जिसके कारण यह आपके फेस को इंस्टेंट ग्लो देने का काम करता है। इसको अप्लाई करने से फ्लॉलेस रेडिएंट ड्यूवी स्किन मिलती है।

सनी देओल की *बॉर्डर-2* से बाहर हुए आयुष्मान खुराना

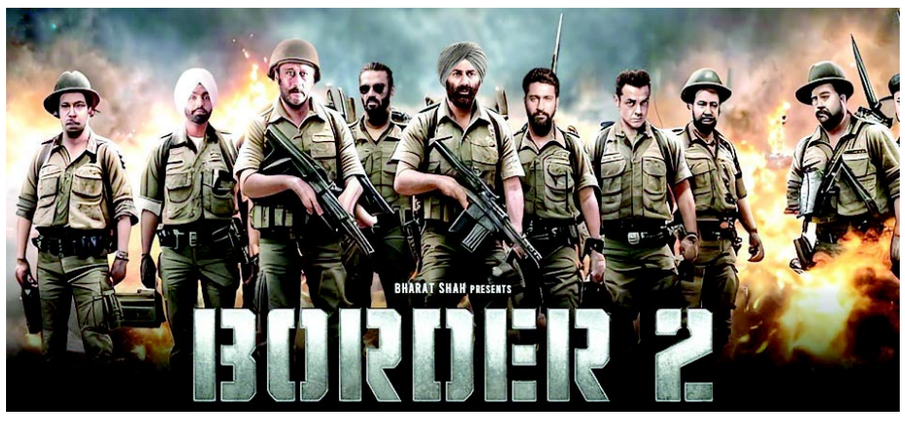

फिल्म *बॉर्डर* 1997 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी। इसके बाद सनी देयोल ने इस साल *बॉर्डर-2* की घोषणा की थी। अनुराग सिंह की निर्देशित बॉर्डर के सीक्वल में आयुष्मान खुराना के अहम किरदार में नजर आने की उम्मीद थी। हालांकि, अब कहा जा रहा है कि एक्टर ने इस फिल्म को करने से इनकार कर दिया है। इसके पीछे की वजह भी सामने आ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने बताया कि महीनों की चर्चा के बाद आयुष्मान ने बॉर्डर-2 छोड़ दी है क्योंकि वह फिल्म में सनी देओल की भूमिका को लेकर असमंजस में थे। सूत्रों ने बताया कि टीम लंबे समय से एक सैनिक की भूमिका निभाने के लिए आयुष्मान से चर्चा कर रही थी। निर्माता और आयुष्मान खुराना दोनों सहयोग करने को तैयार थे, लेकिन वह सनी देओल जैसे बड़े स्टार के सामने अपने किरदार को लेकर असमंजस में थे। ऐसा लगता है कि आयुष्मान का किरदार शायद उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना फिल्म में सनी देओल को दिखाया गया है। इसी वजह से संभवता उन्होंने इसे छोड़ने का फैसला किया। लेकिन अभी तक इस खबर की पुष्टि एक्टर की ओर से नहीं की गई है। हाल ही में अफवाहें थीं कि इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ भी अहम भूमिका में नजर आएंगे, लेकिन सूत्रों का कहना है कि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि निर्माताओं ने अभिनेता से संपर्क किया है, लेकिन अभी तक कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है। उम्मीद है कि फिल्म नवंबर तक फ्लोर पर आ जाएगी। फिल्म के 27 साल पूरे होने पर सनी देओल ने सीक्वल से फैंस को चौंका दिया। बिनॉय गांधी बॉर्डर-2 की स्टार कास्ट के साथ फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि बॉर्डर-2 बहुत अच्छे से बन रही है। इसकी स्क्रिप्ट उनकी पत्नी निधि गट्टा ने लिखी है। उन्होंने बताया कि नवंबर महीने में शूटिंग शुरू हो जाएगी, लेकिन उससे पहले एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जहां सभी को पूरी स्टार कास्ट से मिलवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक महीने के भीतर हम पूरी स्टार कास्ट को उनके किरदारों और उनके गेटअप के साथ प्रदर्शित करेंगे। बॉर्डर-2 से पहले आयुष्मान खुराना ने मेघना गुलजार की फिल्म करने से इनकार कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करीना कपूर हैदराबाद रेप केस पर आधारित फिल्म में नजर आएंगी। उनके साथ आयुष्मान नजर आएंगे, लेकिन मेघना गुलजार की फिल्म की डेट्स आयुष्मान की डेट्स से मेल नहीं खातीं। इसलिए उन्हें वह फिल्म छोड़नी पड़ी। इस फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन रेंज का शीर्षक अस्थायी तौर पर रखा गया है।

District Legal Services Authority, Karimganj

Presents

Online
Essay Competition

On the occasion of 78th Independence Day: 15th August,2024

Topic: Honour The Memory Of Our Freedom Fighters
Target Group: Class VI to VIII.
Last Date For Submission: 14th August,2024.

Terms & Conditions

- The competition will be purely an online competition, where the competitor has to send and submit their essays in the PDF format to the specific DLSA, Karimganj E-mail ID – kxjdlsa@gmail.com
- No hard copy relating to the competition will be entertained.
- Must be submitted within the closing date i.e. on or before 14.08.2024.
- The essays must be the independent work of the students.
- Competitors must submit only one entry. The competitor must be a resident of Karimganj.
- Competitors are asked to submit their recent Passport Photograph, School ID Card and Contact no. along with their Essays.

- There will be three awards.
- The winners will be awarded Certificates from DLSA, Karimganj
- The Photograph of winning candidate will be **displayed in DLSA, Karimganj Facebook Page** to encourage the winner.
- Decision of the Judges shall be Final.

LAST DATE FOR SUBMISSION : 14th August,2024

Online Submission Through :

kxjdlsa@gmail.com

-- Janasanyog /D/3798/24/8-Aug-24

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**